अगस्त 2023

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

चुनाव 2024

घर-घर समाजवादी

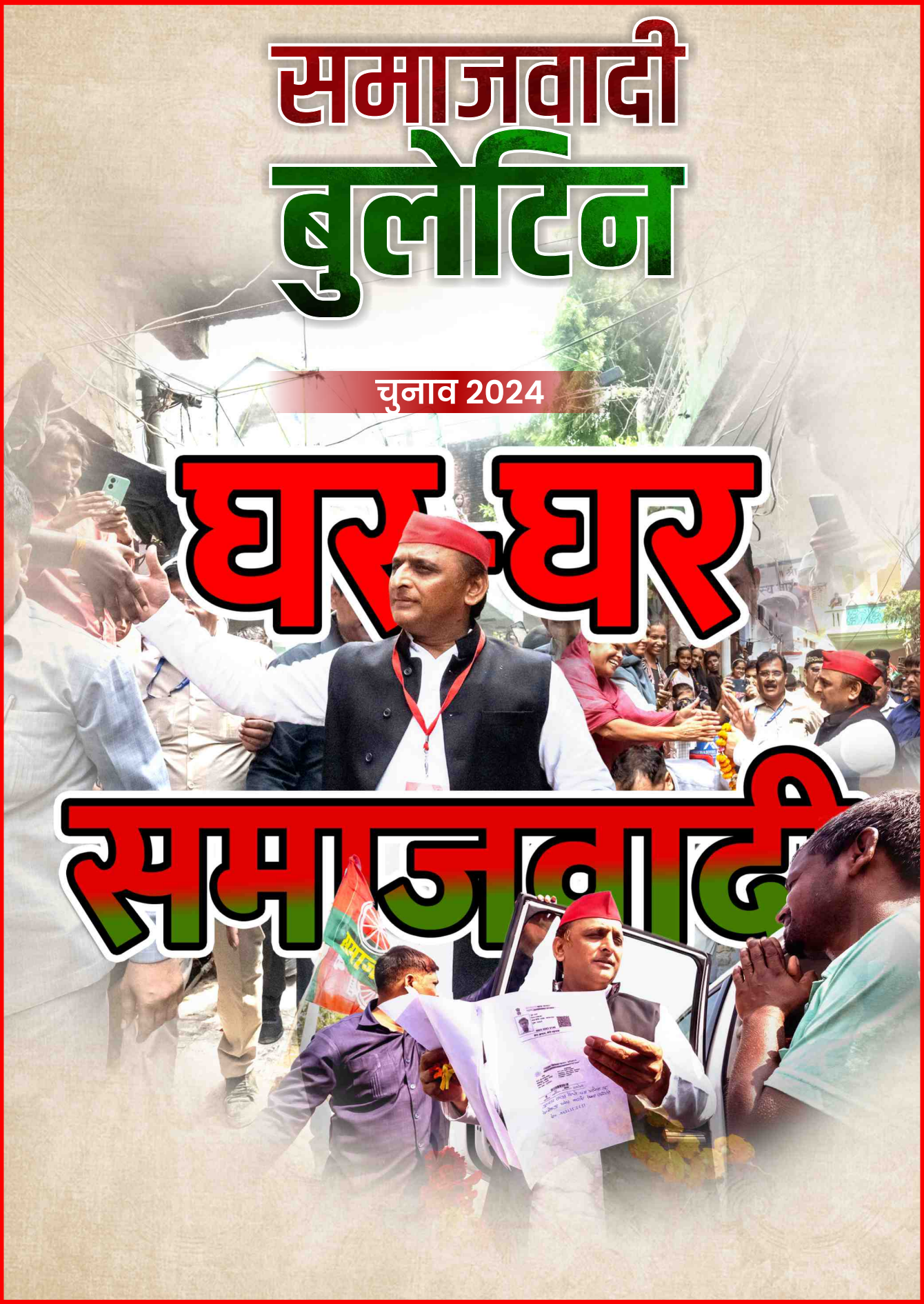

R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

समाजवादी सिद्धांतों को समझने और अपनाने से ही समाजवाद आएगा। सिर्फ नारे लगाने से समाजवाद नहीं आएगा। समाजवादियों को इसके लिए बढ़-चढ़कर काम करना होगा कि सभी को समान अवसर मिले। युवा पीढ़ी पर समाजवादी विचारधारा के विस्तार का बड़ा दारोमदार है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

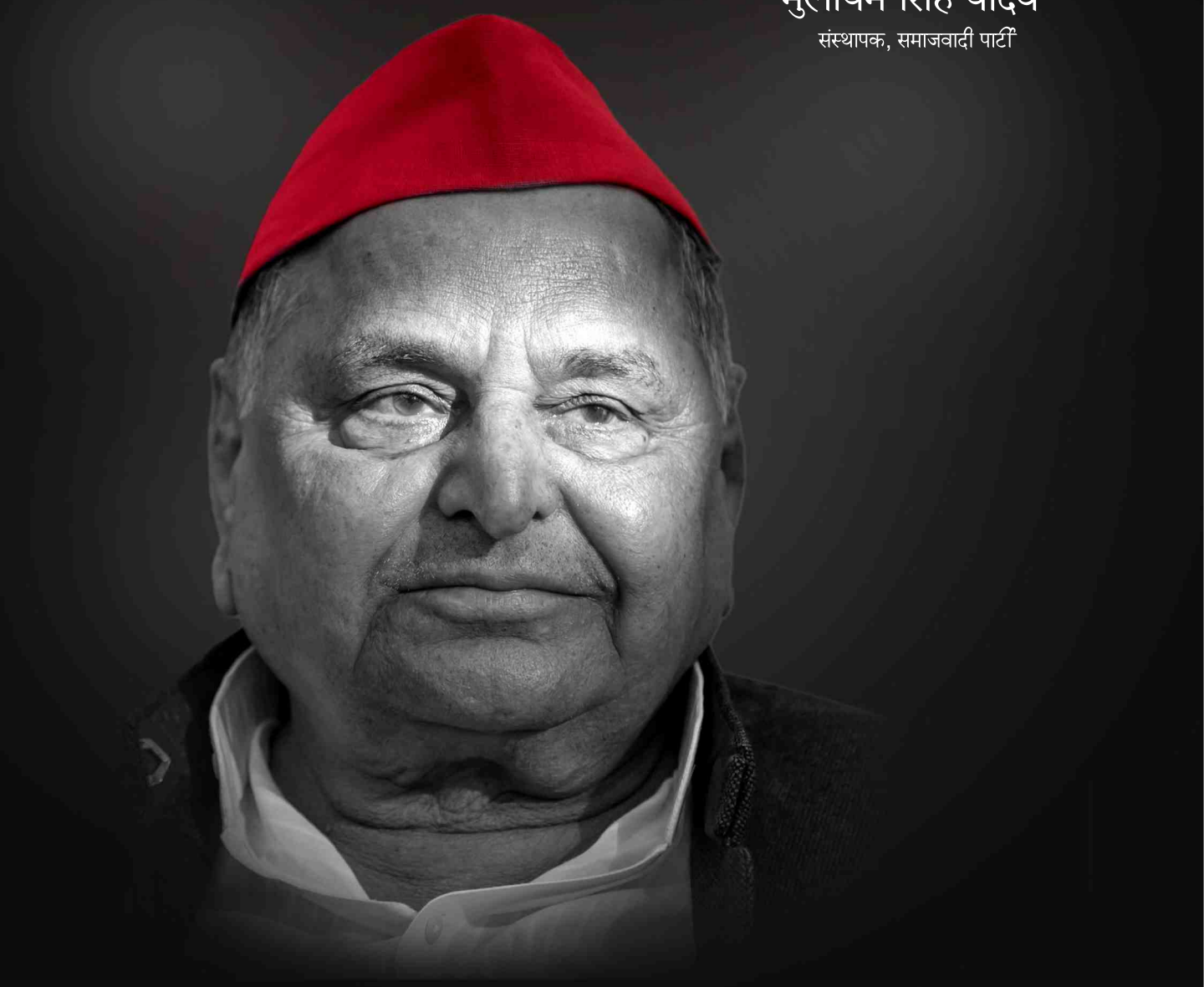

समाजवादी बुलेटिन

अगस्त 2023
वर्ष 24 | संख्या 10

प्रिय पाठकों

आप सभी के प्यार, उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन से आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन, बदली हुई साज-सज्जा के साथ अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। हम आपके आभारी हैं कि अभी तक के सफर में हम आपकी कसौटी पर खरे उतर सके हैं। हम भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृपया अपना प्यार यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का हनन 04

10 कवर स्टोरी

घर-घर समाजवादी

उम्मीदों के अखिलेश 30

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से समाज के सभी तबकों की उम्मीदें बढ़ी हैं। उन्हें विश्वास है कि यही एक ऐसे राजनेता हैं जो मुश्किल घड़ी में उनका साथ दे सकते हैं। यही कारण है कि उनसे मिलने के लिए लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं।

हमारी आन, हमारी शान तिरंगा 36

मणिपुर पर सपा मुखर 34

संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का हनन

उदय प्रताप सिंह

संसद में 10 अगस्त को जो हुआ वह संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मर्यादा से बिल्कुल हटकर था। विपक्ष के नेताओं को सरकारी पक्ष ने अपनी संख्या के बल पर, ढंग से बोलने ही नहीं दिया और स्पीकर के मना करने पर भी, उनकी इस धींगामुश्ती पर कोई असर नहीं पड़ा, बराबर शोरगुल होता रहा।

अविश्वास प्रस्ताव के अंत में प्रधानमंत्री ने भाषण दिया तब उम्मीद की जाती थी कि वह कुछ मणिपुर के बारे में ऐसा कहेंगे जिसे

फोटो स्रोत : गूगल

जख्मों पर मरहम की तरह माना जाएगा। 9 0 मिनट तक उन्होंने केवल अपनी उपलब्धियां गिनवाईं और आत्मश्लाघनीय भाषण दिया। हालांकि भाषण की भाषा शिष्ट और सदैव की तरह लच्छेदार तो थी लेकिन उसमें विश्वास के प्रस्ताव के उत्तर की अपेक्षा के अनुसार कोई चीज नहीं थी। इसके विपरीत उन्होंने इंडिया गठबंधन को घमंडिया संगठन कहकर अपने पद से और उसकी गरिमा से नीचे की बात कही जिसकी उनसे आशा नहीं थी।

ऐसा लगा कि जैसे माननीय प्रधानमंत्री अपने विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का उत्तर न देकर केवल 2024 के होने वाले चुनाव की सभा को संबोधित कर रहे थे। दूसरी बात बड़े अफसोस की थी कि जब वित्त मंत्री माननीया सीतारमण बोल रही थीं तब भी उन्होंने पूरे सदन से चुनावी अंदाज में नारे लगवाए और यही काम प्रधानमंत्री जी ने भी किया जबकि स्पीकर महोदय ने दोनों बार कहा कि सदन में पक्ष विपक्ष में नारे न लगवाएं।

उन्होंने विपक्ष के नारों पर रोक भी लगा दी और बाद में इसी वजह से विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को लोकसभा के कार्यवाही से आगे के लिए निष्कासित कर विशेषाधिकार समिति को मामला भेज दिया। ऐसा लगता है की पक्ष और विपक्ष के लिए अलग-अलग नियम बनाए गए हैं। ऐसा भेदभाव पहले कभी नहीं हुआ था। अविश्वास प्रस्ताव में सरकार जीत गई। यह सच है लेकिन विहंगम निष्कर्ष यही निकला कि यह सरकार धीरे-धीरे तानाशाही की तरफ बढ़ रही है।

इस बात के कई ताजा सबूत हैं। एक दिन पहले राज्यसभा में एक बिल लाया गया है जिसमें यह कहा गया की चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया उस समिति में नहीं होंगे जो चुनाव आयोग के अधिकारियों की नियुक्तियों के लिए काम करती है अर्थात उस में केवल सरकार की मर्जी चलेगी।

दूसरा सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर के बारे में कहा है कि वहां की स्वायत्तता समाप्त प्रायः है। जो धार्मिक नफ़रत बिजली के करंट की तरह देश एक सिरे से दूसरे सिरे तक तेजी से फैलती है उस धार्मिक नफ़रत को बढ़ाने की इस सरकार ने शुरू से ही कोशिश की है यह किसी से छिपा नहीं है।

उसी का कारण है कि मणिपुर, नूंह, मुरादाबाद, मध्य प्रदेश आदि जगहों पर दुःखद परिणाम देखने को मिले हैं। सरकार समर्थित साम्प्रदायिकता सर्वाधिक ख़तरनाक होती है। नूंह और मणिपुर के दंगों में पुलिस की भूमिका प्रश्नों के घेरे में है और पुलिस ऊपर के निर्देशन में काम करती है, कई उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई फैसलों में सरकार की इस सांप्रदायिक संदिग्ध भूमिका पर टिप्पणी की है पर यह पहली सरकार है जो अपने को न्यायालय से ऊपर समझती है।

सपा ने सदन में सरकार को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र में समाजवादी पार्टी ने जनहित से जुड़े मुद्दों पर जोरदार तरीके से भाजपा सरकार को घेरते हुए सत्ता पक्ष को लाजवाब कर दिया। जनहित के तमाम मुद्दों पर समाजवादी पार्टी ने सरकार से जवाब मांगा मगर भाजपा सरकार भागती हुई नजर आई। सरकार ने मुद्दों के इतर जाकर तमाम कुतर्क गढ़ने की कोशिश की।

विधानसभा में नेता विरोधी दल व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव द्वारा उठाए गए सवालों का सरकार जवाब नहीं दे सकी। कई ऐसे मुद्दे भी थे जिसमें समाजवादी पार्टी के सवाल पर भाजपा सरकार बेनकाब भी हो गई जिसमें शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ाने और जातीय जनगणना जैसे मुद्दे अहम थे।

समाजवादी पार्टी ने मणिपुर हिंसा और खासतौर पर महिलाओं के अपमान पर निंदा प्रस्ताव की मांग की जिसपर सरकार बगले झांकते दिखी। समाजवादी पार्टी के इस सवाल का सरकार के पास कोई जवाब नहीं था कि हिंसा और उसमें महिलाओं का अपमान होने की घटना की निंदा करने में क्या हर्ज है।

7 अगस्त से 11 अगस्त तक विधानमंडल के मानसून सत्र में दोनों सदनों की बैठक के दौरान समाजवादी पार्टी ने तमाम मुद्दों पर सवालों की बौछार कर दी जिसपर सत्तापक्ष बगलें झांकता रहा या फिर कुतर्क गढ़ कर बचने की कोशिश में लगा दिखा। नेता विरोधी दल श्री अखिलेश यादव ने जब महंगाई, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, अत्याचार पर सरकार से सवाल पूछने शुरू किए तो नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास कोई ठोस जवाब नहीं था। सूखा, बाढ़, गन्ना मूल्य भुगतान, किसानों की आय दोगुनी करने, मुआवजा,

सड़क, सांड, जलजमाव, गंदगी पर पूछे गए सवालों पर सरकार पूरी तरह घिर गई क्योंकि सभी सवाल तार्किक तरीके से उठाए गए थे।

जातीय जनगणना पर सरकार को घेरा

विधानमंडल के दोनों सदनों विधानसभा व विधानपरिषद में समाजवादी पार्टी ने जातीय जनगणना का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। सरकार की तरफ से जातीय जनगणना से इनकार करने पर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने नाराजगी का इजहार किया और सदन में ही धरना पर बैठक गए। इस मुद्दे पर वाकआउट भी हुआ। समाजवादी पार्टी का साफतौर पर कहना था कि जातीय जनगणना न होने से पिछड़ों का हक मारा जा रहा है। सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना बेहद जरूरी है ताकि उसी मुताबिक योजनाएं बन सकें। सरकार की तरफ से साफ कहा गया है कि राज्य में ऐसी जनगणना कराने की उसकी कोई योजना नहीं है। विधानसभा में सपा सदस्य संग्राम यादव ने यह सवाल पूछा था। मुख्यमंत्री की तरफ से इनकार करने पर समाजवादी पार्टी सदस्य सदन में ही धरना पर बैठ गए।

विधान परिषद में भी इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी ने सरकार को घेरा। सूचना की ग्राह्यता पर बल देते हुए सपा सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जातिवार जनगणना के अभाव में पिछड़ी जातियों के साथ सामाजिक न्याय नहीं हो पा रहा है। सपा सदस्य नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि पिछड़े वर्गों के साथ सामाजिक अन्याय हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर भाजपा जातीय जनगणना का विरोध क्यों कर रही है। पिछड़ों की संख्या अधिक है लेकिन उनके साथ न्याय नहीं हो रहा है।

शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने से इनकार पर सपा का विरोध

उत्तर प्रदेश में शिक्षा मित्रों का मानदेय न बढ़ाए जाने पर समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद में कड़ी नाराजगी का इजहार करते हुए विरोध किया। सरकार ने स्पष्ट तौर पर बताया कि मानदेय बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। सपा के डा. मान सिंह यादव के सवाल पर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने कहा कि शिक्षामित्रों और सहायक अध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया और सेवाओं की प्रकृति एवं शर्तें भिन्न हैं। सरकार के इस जवाब से नाराज सपा सदस्यों ने कहा कि सरकार शिक्षा मित्र विरोधी है। सपा सदस्य इस मसले पर वाकआउट कर गए।

समाजवादी पार्टी के मान सिंह यादव की मांग थी कि जब शिक्षामित्र भी सहायक अध्यापक की तरह छात्रों को शिक्षा देते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार सरकार समान कार्य का समान वेतन क्यों नहीं दे रही है।

भाजपा सरकार फेल, यूपी का बुरा हाल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता विरोधी दल श्री अखिलेश यादव ने जनहित के मुद्दों पर ऐसी गर्जना की कि भाजपा सरकार हिल गई। उन्होंने एक-एक मुद्दों पर सवाल करने शुरू किए तो सत्ता पक्ष बैक फुट पर दिखाई दी। श्री यादव के तरकश से निकले एक-एक शब्द भाजपा सरकार पर भारी पड़ गए।

सदन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का यह मुद्दा उठाना कि घटना किसी राज्य में हो, हिंसा या महिला अपमान पर हर जगह निंदा होनी ही चाहिए, आज भी चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग बाग उनके इस तर्क से सहमत हैं कि विधानसभा में मणिपुर घटना की निंदा करने से भाजपा क्यों असहमत हुई।

मणिपुर पर श्री यादव ने कहा कि महिलाओं के साथ जिस तरह की बर्बरता और जघन्य घटना हुई है उसकी हर तरफ निंदा होनी चाहिए। मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों में स्टार प्रचारक के रूप में जाते हैं, क्या उनकी जिम्मेदारी नहीं है कि इस तरह की घटनाओं की निंदा करें।

विधानसभा में बोलते हुए नेता विरोधी दल श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार सो रही है, भाजपा सरकार ने प्रदेश का सत्यानाश कर दिया है। प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था, बिजली संकट, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबों, किसानों के साथ अन्याय, अत्याचार के लिए खुद मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कभी चाल, चरित्र और चेहरे की बात करने वाली भाजपा आज महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और नफरत की पर्याय बन चुकी है।

सूखा और बाढ़ को लेकर विधानसभा में चर्चा करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने साढ़े छह साल के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। सरकार के पास बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का कोई जवाब नहीं है। टमाटर की महंगाई से सरकार और भाजपा नेताओं के चेहरे लाल हो गए हैं।

श्री यादव ने कहा कि सरकार सो रही है अगर कोई इसे जगाने की बात करता है तो उसे जेल भेजने की तैयारी कर ली जाती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी बनाने की बात करने वाले ठेले पर टमाटर बेच रहे हैं। इस महंगाई में अगर किसान किसी तरह से फसल पैदा भी कर ले रहा है तो सरकार उसकी कीमत नहीं दे रही है। बिचौलिए मुनाफा कमा रहे हैं। प्रदेश में सांडों की हमले में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। सांड के हमले में हर दिन मौत हो रही है। उन्होंने जानना चाहा कि सरकार बताए कि उसने कितनों को मुआवजा दिया।

लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान राशि बढ़ाने की मांग

बुलेटिन ब्यूरो

विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्य राजेन्द्र चौधरी ने शून्यकाल में नियम-115 के तहत सूचना देकर आपातकाल के दौरान जेलों में बंद रहे लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान राशि बढ़ाने की मांग की। सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने मामले को गंभीर बताते हुए सरकार से सहानुभूति पूर्वक विचार करने को कहा। उन्होंने साथ-साथ लोकतंत्र सेनानियों को चिकित्सा सुविधा भी दिलाने के लिए ध्यान आकृष्ट कराया। नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम इस मामले पर शासन में चर्चा करेंगे।

श्री चौधरी ने सूचना को सदन में पढ़ते हुए कहा कि देश में सन 1975-76 में आपातकाल लागू हुआ था। लोकतंत्र को बचाने के संघर्ष में बड़ी संख्या में लोगों ने जेल में शारीरिक और मानसिक यातनाएं भोगी थीं। लोकतंत्र सेनानियों की प्रतिष्ठा में सपा सरकार में अधिनियम बनाकर सम्मान राशि प्रदान करने की व्यवस्था की गई थी।

उन्होंने कहा कि महंगाई की मार से सभी त्रस्त हैं। लोकतंत्र सेनानी भी कष्ट में हैं। सम्मान से जीवन जीने के लिए लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को प्रदान की जाने वाली सम्मान राशि 20 हजार में वृद्धि कर प्रतिमाह 30 हजार रुपए किया जाना समय की जरूरत है। सपा ने विधान परिषद में मणिपुर समेत अन्य कई मुद्दे उठाए ।

घर-घर समाजवादी

बुलेटिन ब्यूरो

लोक जागरण अभियान, कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर व जन पंचायतों के जरिये भाजपा को सत्ता से बेदखल करने को तैयार समाजवादी पार्टी ने अब लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के तहत घर-घर दस्तक देने का फैसला किया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे घर-घर जाएं। उन्होंने कहा है कि सपा कार्यकर्ता लोगों से मिल कर उन्हें भाजपा सरकार की नाकामियां और समाजवादी सरकार की उपलब्धियां बताकर उनसे 2024 में यूपी से भाजपा के सफाये की अपील करें।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जनहित के मुद्दों परभाजपा सरकार के खिलाफ लगातार आक्रामक हैं। श्री यादव ने मुद्दों पर भाजपा को घेरकर यूपी में ऐसी जमीन तैयार कर दी है कि कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सजग होकर 2024 में भाजपा का सफाया और समाजवादी पताका फहराने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्साह से भरे हुए हैं।

श्समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के आह्वान पर अब समाजवादी कार्यकर्ता घर-घर जाकर समाजवादी सरकार के कामकाज के बारे में बताएंगे और भाजपा सरकार की नाकामियों का ब्योरा देंगे। लक्ष्य, साफ है, लोकसभा चुनाव में यूपी से भाजपा का सफाया।

संघर्ष की कोख से निकली समाजवादी पार्टी की तैयारियां यह एहसास करा रही हैं कि लोकसभा चुनाव-2024 में यूपी से भाजपा का सफाया तय है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की मेहनत, कार्यकर्ताओं का जोश और भाजपा से त्रस्त जनता का समाजवादी पार्टी की ओर उम्मीदों से देखना, शुभ संकेत है।

समाजवादी सरकार को यूपी के लोग भूले नहीं हैं। अभी भी जब भाजपा के छह साल से ज्यादा के शासनकाल और अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी सरकार की तुलना होती है तो समाजवादी सरकार का पलड़ा भारी निकलता है। यूपी में समाजवादी सरकार में इतने काम हुए हैं कि आज भी तमाम राज्यों के लोग इसकी मिसाल देते नहीं थकते।

सभी विधानसभा क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी की जन पंचायतों में अवाम की तरफ मिले समर्थन ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है। दरअसल इन पंचायतों में यह बात साफतौर पर सामने आ गई कि लोग भाजपा सरकार से परेशान बहुत हैं। उन्हें यह भी समझ में आ रहा है कि समाजवादी पार्टी ही भाजपा से मुकाबला कर सकती है और वही यूपी में एकमात्र विकल्प है।

लोकसभा चुनाव-2024 में यूपी से भाजपा का सफाया करने के लिए समाजवादी पार्टी ने जिस तरह कमर कसी है, यह संकेत हैं कि इस बार उत्तर प्रदेश में समाजवादी पताका फहराने में कोई बाधा नहीं आने वाली है। जनता को यह मालूम है कि समाजवादी पार्टी ही यूपी में एक ऐसा दल है जोकि शिद्दत के साथ संघर्ष करता है और जनसमस्याओं को मजबूती उठाना और उसका समाधान करना समाजवादियों को आता है।

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में इसलिए भी जोश दिख रहा है क्योंकि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लगातार जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। उन्हें चुनाव में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का टिप्स दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं का जोश, उमंग बता रहा है कि इस बार चुनाव में वे समाजवादी पार्टी की पताका फहराकर ही मानेंगे।

अखिलेश का संवाद और लक्ष्य भेदने का निश्चय

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जुटे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लगातार जमीनी कार्यकर्ताओं से मुखातिब हो रहे हैं। उनसे सीधा संवाद कर बता रहे हैं कि चुनाव की तैयारी किस तरह करनी है। वह खासतौर पर ये टिप्स दे रहे हैं कि भाजपा से किन मुद्दों पर लड़ना है और किस तरह आमजन को भाजपा सरकार की नाकामियों के बारे में बताना है।

शीर्ष नेतृत्व के संदेश एवं संवाद से कार्यकर्ताओं में जोश का संचार हो रहा है और वे बूथ स्तर तक संगठन की मजबूती और चुनाव 2024 में विजय पताका फहराने के संकल्प के साथ क्षेत्र में जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 12 अगस्त को पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता अभी से दरवाजे दरवाजे दस्तक देने के लिए जुट जाएं। लोकसभा चुनाव 2024 में डबल इंजन की दोनों सरकारें जाएंगी। भाजपा, प्रदेश में 80 की 80 सीटें हारेगी। जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी पर है। समाजवादी पार्टी के पास जनता की ताकत है।

श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा कि जमीनी स्तर पर लोकसभा चुनाव की तैयारियों में कोई कोर कसर नहीं

रखें। कार्यकर्ता बिना अति उत्साह, अति आत्मविश्वास के काम करें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम शेरवानी, पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं की बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग करके संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। भाजपा अनैतिक राजनीति कर चुनाव को प्रभावित करती है।

सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भाजपा वोटबैंक की तरह इस्तेमाल करती है। भाजपा झगड़ा लगाकर समाज को बांटना चाहती है। भाजपा अंग्रेजों की नीति "फूट डालो राज करो" पर चल रही है। भाजपा झूठा प्रचार करके सामाजिक माहौल खराब करने का काम रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाकर देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता संकल्पित है।

इससे पहले समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर 30 जुलाई को एकत्र पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से संवाद करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बताया कि 2024 का चुनाव कितना अहम है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सिर्फ 5 साल का चुनाव नहीं है बल्कि यह संविधान व लोकतंत्र को बचाने वाला चुनाव है क्योंकि भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने पर उतारू है।

उन्होंने कहा कि संविधान की संस्थाओं को धीरे-धीरे कमजोर किया जा रहा है। भाजपा सन् 2014 में आई थी, सन् 2024 में उसकी विदाई का वक्त है। भाजपा की विदाई में किसी भी स्तर पर चूक नहीं होनी चाहिए। श्री यादव ने कहा कि भाजपा को यही रास्ता सूझता है कि वह समाजवादी पार्टी को बदनाम करे। इसके नेताओं पर फर्जी मुकदमें लगाए जा रहे हैं और बदले की भावना से उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। भाजपा अपने विरोधियों को दुश्मन मानती है क्योंकि उसमें सहिष्णुता की लोकतांत्रिक भावना ही नहीं है।

श्री यादव ने कार्यकर्ताओं को टिप्स दी है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को धांधली करने से रोकना होगा। इसके लिए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना है और धांधली से रोकने के लिए बूथ पर डटे रहना होगा। लोकतंत्र को बचाने व उसे मजबूत करने के लिए भाजपा की धांधली को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता ही रोक सकते हैं।

3 अगस्त को पार्टी मुख्यालय पर आए दूरदराज के सैकड़ों कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए श्री यादव ने कहा कि जबसे पीडीए की चर्चा आई है भाजपा में घबराहट बढ़ गई है। 2022 का विधानसभा चुनाव भाजपा ने धांधली और सत्ता का दुरुपयोग कर जीता। भाजपा ने साजिश और षड्यंत्र से समाजवादियों को सरकार में नहीं आने दिया। मतदान से लेकर मतगणना तक में

धांधली की गई। मात्र साढ़े तीन लाख वोटों के अंतर से सन् 2022 का चुनाव परिणाम प्रभावित करके भाजपा ने सरकार बनाई थी।

उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव की निष्पक्षता तथा स्वतंत्रता के साथ खिलवाड़ करके सत्ता पर काबिज होती है। समाजवादी पार्टी इस बार भाजपा को धांधली करने से रोकेगी। अब किसी भी तरह की कोताही नहीं होगी। बूथ स्तर तक समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से चुनाव की तैयारी कर रही है। इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार तय है।

सोशल मीडिया सेल को धार देते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया की बहुत अहमियत है। इसलिए जरूरी है कि पार्टी के मीडिया सेल से जुड़े सभी युवाओं को हर वक्त सक्रिय एवं सजग रहना है। भाजपा फर्जी खबरें प्रचारित करने में माहिर है। जनता को भाजपा के कारनामों से परिचित कराना है। भाजपा के झूठ का पर्दाफाश करने में देर नहीं होनी चाहिए। जनता के संपर्क में रहकर भाजपा की जुमलेबाजी से उन्हें अवगत कराते रहना होगा।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर मीडिया सेल से रूबरू होते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उन्हें भाजपा से लड़ने के मुद्दों से लैस किया। उन्हें बताया कि किन बातों को जोरदार तरीके से उठाया जाना चाहिए। इसमें जनता से जुड़े मुद्दे सबसे अहम होने चाहिए।

समाजवादी पार्टी सांसद श्रीमती डिंपल यादव की मौजूदगी में मीडिया सेल से मुखातिब हुए श्री यादव ने कहा कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रही है। भाजपा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमलावर है। लोकतंत्र पर हमला भारत की स्वतंत्रता पर हमला है। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय के लिए संघर्षरत रही है। जातीय जनगणना की मांग इसलिए की जा रही है ताकि सबको समानुपातिक भागीदारी तथा सम्मान मिल सके। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी।

जन पंचायतों से बन रहा माहौल

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में लग रहीं समाजवादी पार्टी की जन पंचायतों से माहौल बन रहा है।

9 अगस्त को यूपी के सभी जिलों में विधानसभा व सेक्टरों में ये जन पंचायत आयोजित की गई। जन पंचायतों में समाजवादी पार्टी के बूथ स्तर तक के पदाधिकारी शामिल हुए और सभी ने समाजवादी पार्टी की सरकार में मुख्यमंत्री रहते श्री अखिलेश यादव द्वारा किए गए विकासकार्यों की जानकारी दी और जनता से उनकी समस्याओं का ब्योरा भी हासिल किया।

लखनऊ जनपद के नगर व जिला संगठन की ओर से जनपद की चारों विधानसभाओं मलिहाबाद, बख्शी का तालाब, सरोजनीनगर के अलावा कैन्ट पश्चिम तथा उत्तरी विधानसभा क्षेत्रों में जन पंचायतों का आयोजन किया गया। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज के प्रत्येक न्याय पंचायत सेक्टर स्तर पर पार्टी मुखिया श्री अखिलेश यादव के कामों की चर्चा के साथ संकल्प पत्र पढ़ा गया।

बाराबंकी में विधानसभा रामनगर के दरियाबाद के सेक्टरों में पूर्व मंत्री तथा राष्ट्रीय सचिव अरविन्द सिंह गोप ने जनता की समस्याओं को सुनने के बाद कहा कि मौजूदा सरकार ने आम जनता की समस्याओं की तरफ से आंखे मूंद रखी है। 2024 में भाजपा की जुल्मी सरकार का जाना तय है। बाराबंकी की विधानसभा जैदपुर के अंतर्गत सेक्टर मसौली में जन पंचायत को पूर्व ब्लाक प्रमुख यासिर किदवई ने संबोधित किया।

सुल्तानपुर के कादीपुर में पूर्व विधायक श्री भगेलूराम ने कहा कि आज अंग्रेजीराज से भी खराब शासन चल रहा है। रायबरेली में अगस्त क्रांति दिवस पर जनपद की समस्त छह विधानसभाओं के 240 सेक्टरों में एक ही दिन में अलग-अलग जन पंचायत आयोजित की गई जिसमें श्री अखिलेश यादव सरकार के विकासकार्यों की चर्चा की गई।

शाहजहांपुर में जनपद की सभी विधानसभाओं में सेक्टर स्तर पर जन पंचायत आयोजित कर शिकायतों एवं जनसमस्याओं को सुना गया और समाजवादी सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया गया। गोण्डा में कर्नलगंज विधानसभा क्षेत्र में 38 सेक्टरों में आयोजित जन पंचायत में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार तथा श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल में हुए विकास कार्यों का ब्योरा आमजन को दिया गया।

गोरखपुर, पीलीभीत, अमरोहा, अलीगढ़, कानपुर, रायबरेली, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, कौशाम्बी, इटावा, फिरोजाबाद, उन्नाव आदि प्रदेश के सभी जिलों में जन पंचायत के जरिये समाजवादी सरकार में हुए विकास कार्यों के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षण शिविरों में कार्यकर्ता सीख रहे कामयाबी के गुर

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के लोक जागरण अभियान के तहत बांदा, फतेहपुर व फिरोजाबाद में आयोजित समाजवादी प्रशिक्षण शिविरों में बूथ स्तर तक के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए तैयारी करने के तौर-तरीके बताए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव ने समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने अपने संबोधन से कार्यकर्ताओं में जोश भरा।

पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को बताया कि जनता के बीच जाकर किस तरह भाजपा की सच्चाई को उजागर करना है और समाजवादी सरकार में हुए कार्यों की जानकारी देनी है।

बांदा में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की

शुरुआत 16 अगस्त को हुई। समाजवादी प्रशिक्षण शिविर के प्रथम सत्र का आंरभ प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के भाषण से हुआ। प्रथम दिन राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव का संबोधन प्रमुख रहा।

17 अगस्त को प्रशिक्षण शिविर का समापन करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सारगर्भित भाषण दिया। उन्होंने शिविर में मौजूद कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए जुट जाने का आह्वान करते हुए बताया कि भाजपा के छल, धांधली से किस तरह लड़ना है। जनता को क्या-क्या बताना है। अगर हम समाजवादियों ने लोगों को नहीं जगाया तो भाजपा लोगों को अंधकार में ले जाएगी। समाजवादियों की जिम्मेदारी है कि जनता के बीच पहुंच कर उन्हें सच्चाई बताएं।

श्री यादव ने कहा कि जिस दल से समाजवादी पार्टी का मुकाबला है उसके नेता भगवान की कसम खाकर भी झूठ बोलते हैं। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का मुकाबला भाजपा की षड़यंत्रकारी नीतियों और झूठे प्रचार से है।

श्री यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन और पीडीए मिलकर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने जा रही है क्योंकि जनता का भरपूर समर्थन समाजवादी पार्टी के साथ है।

इससे पहले प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश बदहाल होता जा रहा है। गुजरात के लोगों को यहां लाकर बिठाया जा रहा है। सभी बड़े ठेके उन्हें दिए जा रहे हैं। प्रदेश में विकास कार्य ठप है। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसान-व्यापारी परेशान है। अपराध चरम पर है। भाजपा से मुक्ति के लिए 2024 में एकजुट होकर हमें समाजवादी पार्टी को जिताना है।

श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि संविधान में दी गई संवैधानिक व्यवस्थाओं और मानवाधिकारों को भाजपा सरकार में क्षति पहुंचाई जा रही है। संविधान और लोकतंत्र के साथ समाजवाद की अवधारणा को दूषित किया जा रहा है। चुनाव प्रबंधन की प्रक्रिया पर विशेष कानून बनाकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सभी को सामाजिक न्याय मिले इसके लिए भाजपा सरकार को जातीय जनगणना करानी चाहिए।

18 अगस्त को फतेहपुर में समाजवादी प्रशिक्षण शिविर लगाया गया जिसमें बूथ स्तर तक पदाधिकारियों को 2024 में चुनाव लड़ने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव स्वयं मौजूद

स्वर मन्दिर के०

लोक
जागरण
अभियान

रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुखातिब होते हुए तमाम मुद्दों पर संवाद किया।

श्री यादव ने इस शिविर में कहा कि भाजपा की विचारधारा के लोगों और उनके मातृ संगठन ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में हुए भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था, उसे छिपाने के लिए अब घर-घर झंडा लगाने का काम करते हैं। भाजपा के लोगों ने अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, क्रांतिकारियों और समाजवादियों का साथ नहीं दिया था। अब भाजपा नए तरीके का भारत छोड़ो आंदोलन चला रही है जो कि उद्योगपतियों के लिए है। उद्योपति देश का धन लेकर भारत छोड़कर जा रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के विकास कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। सड़कों में गड्ढे भरे पड़े हैं। केवल 100 रुपये का राशन देकर गरीबों को धोखा दिया जा रहा है। किसानों की आय दुगनी नहीं हुई जबकि खेती का लागत मूल्य दुगना हो गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा दरारजीवी पार्टी है। ये समाज में दरार पैदा कर राजनीति करते हैं। इंडिया गठबंधन से घबराए हुए हैं। भाजपा अपनी सत्ता बचाने और वोट के लिए लोगों और पार्टियों में दरार डालने का काम करती है। फतेहपुर के समाजवादी प्रशिक्षण शिविर को राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल आदि ने भी संबोधित किया।

लोक जागरण अभियान के तहत फिरोजाबाद में 20 अगस्त को समाजवादी प्रशिक्षण शिविर लगाया गया जिसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर डटे रहने के लिए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार पूरी तरह विफल रही है। जनता उससे बहुत निराश है। महंगाई चरम पर है और उसे रोकने की सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है। महंगाई तब रुकेगी जब किसान खुशहाल होगा। भाजपा रहेगी तो समस्या बढ़ेगी। भाजपा की सत्ता 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा कि शिविर में कार्यकर्ताओं को तमाम बातें बताई गई हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि इन बातों को पूरी ईमानदारी से अपने दिल और दिमाग में रखेंगे और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जनता के बीच व बूथ स्तर तक इन बातों को पहुंचाने का काम करेंगे। श्री यादव ने नेताजी को याद करते हुए कहा कि आज हमारी जो भी पहचान है, नेताजी की वजह से है। गांव के गरीबों के लिए नेताजी भगवान थे। उन्होंने अपने संघर्ष से भाजपा को रोककर रखा था। यह उनकी ताकत थी कि उन्होंने भाजपा से कड़ा मुकाबला किया। हमें भी संघर्ष से भाजपा को रोकना है।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने शिविर में कहा कि इंकलाब का अर्थ है परिवर्तन। आज परिवर्तन का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में बेदखल करने के लिए ये इंकलाब है।

राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव में एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को जिताना है। पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह ने नेताजी से सम्बन्धित संस्मरण सुनाए और उनके संघर्ष से कार्यकर्ताओं को सीख लेने का सबक दिया।

महासम्मेलन में गूंजा बराबरी का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

पिछड़े समाज में जन्में महापुरुषों के विचारों की प्रासंगिकता पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 21 अगस्त को महासम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें वर्तमान राजनीतिक परिवेश में उन महापुरुषों के विचारों की प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श हुआ। इस महासम्मेलन में पूरे प्रदेश से मौर्य, कुशवाहा, शाक्य, सैनी समाज के विधायक, पूर्व विधायक, पदाधिकारी, नेता और प्रतिनिधि शामिल हुए।

सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और भरोसा दिया कि आपके समाज को अपने साथ बराबर खड़ा करेंगे। राजनीतिक और सामाजिक हैसियत में पीछे नहीं रखेंगे।

महासम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम कभी पिछड़े नहीं थे। साजिशों से हमारा समाज पिछड़ा बना दिया गया हैं, लेकिन अब पिछड़ा और दलित समाज जागरुक हुआ है। अधिकारों की मांग कर रहा है। हर क्षेत्र में आगे आ रहा है इसीलिए भाजपा घबराई हुई है और वह किसी भी हद तक साजिश और षडयंत्र कर सकती है। भाजपा से सावधान रहना होगा।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में मौजूद लोग तथागत गौतम बुद्ध के विचारों को मानने वाले और चक्रवर्ती सम्राट चन्द्र गुप्त मौर्य एवं चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य के वंशज हैं। श्री अखिलेश यादव ने समाज सुधारक ज्योतिबा फूले तथा श्रीमती सावित्री बाई फुले का स्मरण कर उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

उन्होंने भरोसा जताया कि जो लोग आए हैं,

जो भी समाजवादी पार्टी के साथ हैं, सभी भाजपा का मुकाबला कर लेंगे। श्री यादव ने कहा कि इस समाज का अतीत और इतिहास ऐसा है कि यह कभी पिछड़ा नहीं था लेकिन हजारों साल पहले हुई साजिश के कारण पिछड़ गया। यह लड़ाई हजारों साल की है खत्म नहीं हुई, अभी जारी है। सामाजिक न्याय की लड़ाई बड़ी है। जातीय जनगणना सामाजिक न्याय की लड़ाई की अगली कड़ी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी चाहते हैं कि जातीय जनगणना हो, और सभी जातीयों को उनकी आबादी के अनुपात में हक और सम्मान मिले लेकिन जिनकी संख्या आबादी में बहुत कम है वही जातीय जनगणना नहीं होने देना चाहते हैं। जब कभी भी समाजवादियों को मौका मिलेगा तो जातीय जनगणना कराकर सभी को उनके आबादी के अनुपात में हक और सम्मान दिलाने का काम करेंगे।

श्री यादव ने कहा कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री जी ने लाल किले से भारत को विकसित देश बनाने का सपना दिखाया लेकिन जब देश की 85 फीसदी आबादी गरीब, पिछड़ी और अपने हक और सम्मान से वंचित रहेगी तो देश कैसे विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग पिछड़े, दलितों को आगे बढ़ता नहीं देख पा रहे हैं वे एक-एक कर सरकारी संस्थाओं को बेच रहे हैं। जब सब संस्थाएं निजी हाथों में चली जाएगी तो बाबा साहब द्वारा संविधान में दिया गया आरक्षण कैसे मिलेगा?

महासम्मेलन को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग दलित, पिछड़े, आदिवासी और

अल्पसंख्यक समाज को धन, धरती और शिक्षा से वंचित करने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारों पर डकैती डाल रहे हैं। नौकरियों में पिछड़ों का कोटा गायब कर रहे हैं। आज देश, लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। आजादी के 76 सालों के बाद भी कुछ ताकतें है जो दलितों, पिछड़ों को अपमानित कर रही है और उनका हक और सम्मान नहीं देना चाहती है। ऐसे ठेकेदारों से सावधान रहना है क्योंकि देश में अब परिवर्तन की बयार चल पड़ी है।

कार्यक्रम संयोजक विधायक रामऔतार सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार आरक्षण खत्म कर रही है। जातीय जनगणना नहीं होने देना चाहती है। इस अवसर पर उन्होंने जातीय जनगणना कराने का एक प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

सम्मेलन में सभी ने एक स्वर में कहा कि वे भाजपा को केन्द्र की सत्ता से हटाने के लिए संकल्पित है। भाजपा के किसी भी साजिश और षड्यंत्र को कामयाब नहीं होने देंगे। लोकतंत्र और संविधान के साथ समाज के हक और सम्मान की सुरक्षा के लिए एकजुट होकर सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए समाजवादी पार्टी का साथ देंगे। मौर्य, शाक्य, कुशवाहा, सैनी समाज के सभी लोग श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में निष्ठा रखते हुए भाजपा सरकार का सफाया करेंगे।

महासम्मेलन में जगदीश कुशवाहा पूर्व सांसद, विधायक ऊषा मौर्या, पूर्व विधान परिषद सदस्य आरएस कुशवाहा, पूर्व विधायक नीरज मौर्या, उदय लाल मौर्या, पूर्व विधायक भगौती प्रसाद सागर, डॉ आर.पी. कुशवाहा आदि ने विचार रखे। महासम्मेलन में हर मौके पर समाज का साथ देने के लिए श्री अखिलेश यादव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

भाजपा को वोट चाहिए जातीय जनगणना नहीं

डॉ लक्ष्मण यादव

भारत एक जाति प्रधान देश है। भारत को एक मुकम्मल मुल्क बनाने की यह बुनियादी शर्त है कि रणनीतिक तौर पर जातियों के ख़ात्मे की वैधानिक तार्किक प्रक्रिया को स्वीकार किया जाए। यानी जातीय जनगणना करवाई जाए। जातीय जनगणना भारत को समता व न्याय प्रधान देश में तब्दील कर देगी। जातीय व्यवस्था थोड़े से जातिगत समूहों के लिए हुकमारी व वर्चस्व स्थापित करने का ज़रिया है तो वहीं बहुत बड़ी

आबादी के लिए जाति एक सांस्थानिक सामाजिक बीमारी है। जातीय व्यवस्था भारतीय उपमहाद्वीप की सुनियोजित विद्रूप हक़ीक़त है। दुनिया में असमानता व अन्याय की कसौटी का केंद्र आर्थिक है, मगर भारत में सामाजिक है।

वस्तुतः भारत में शिक्षा, रोज़गार, ज़मीन का मालिकाना हक़, व्यापार, धन सम्पत्ति और सबसे बढ़कर सामाजिक सम्मान स्वाभिमान किसे कितना कब कैसे हासिल होगा, यह जाति से तय होता है। एक ही वक्त में कुछ मनुष्य पूजनीय, तो कुछ अछूत होंगे; यह भारत में ही संभव हुआ। इंसानियत के बीच यह बंटवारा भारत में जाति के नाम पर हुआ।

अगर जातीय व्यवस्था क़ायम रहेगी, तो जातिवाद भी रहेगा। जातियां नष्ट हो जाएं, इसकी प्राथमिक शर्त है कि जातियों के बीच जातिगत असमानता व अन्याय नष्ट हो जिसके लिए आंकड़े चाहिए। बिना आंकड़ों के यह वैज्ञानिक रूप से चिह्नित करना असंभव है कि किसे कब कितना क्या क्या कैसे हासिल हो चुका है और कौन कितना कहां कैसे आज भी वंचित शोषित है। आइडिया ऑफ़ इंडिया सबके लिए समानता व न्याय पर आधारित मोहब्बत की दुनिया का नाम है। जातीय व्यवस्था के पदसोपानीकृत होने के चलते ही बाबा साहब डॉ आंबेडकर इसे एक बंद वर्ग समूह यानी क्लोज़्ड क्लास कहते हैं। इस क्लोज़्ड क्लास में सुधार होना होता तो आज़ादी के 75 साल में उसके असर दिखने लगते।

मगर अब इस देश को सबसे पहले यह क़बूल करने की ज़रूरत है कि भारत मूलतः एक जाति प्रधान देश है। जातियों के बीच समानता के लिए जातिवार जनगणना बुनियादी शर्त है। इसलिए आइडिया ऑफ़ इंडिया के हर हमख़्वाब को आज जातिवार जनगणना का समर्थन करना चाहिए।

यह सवाल मौजूं है कि भाजपा जातीय जनगणना का विरोध क्यों कर रही है? सवाल यह भी है कि भाजपा बिना किसी असहजता के जातीय जनगणना का विरोध कैसे कर ले रही है। इसकी कुछ ठोस बुनियादी वजह हैं। जिनकी समसामयिक शिनाख़्त ज़रूरी है।

दक्षिणपंथी विचारधारा समानता की संकल्पना के बजाय संस्थागत वर्चस्वशाली

हित-समूह की हिमायती है। दक्षिणपंथी विचार मूलतः सदियों से सत्ता व संसाधनों पर क़ब्ज़ा रखे हित-समूहों के वर्चस्व को क़ायम रखने का पैरोकार है। वर्चस्व, विषमता यानी ग़ैरबराबरी का मूल है और ग़ैरबराबरी शोषण को सांस्थानिक बनाती है। यह अपने संरक्षण के लिए विरोधाभासी प्रपंच रचती है। भाजपा इसी प्रपंच का एक राजनीतिक पर्यायवाची है। विषमता जनित वर्चस्व दक्षिणपंथी भाजपा का मूल विचार है। विषमता यानी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक बंटवारा। बंटवारे का मतलब ही है थोड़े से लोगों का वर्चस्व और बहुत बड़ी आबादी का शोषण।

सावरकर, गोलवलकर, हेडगेवार, गोडसे, दीनदयाल उपाध्याय, श्यामाप्रसाद मुखर्जी को अपनी वैचारिक बुनियाद मानने वाली भाजपा जाति को ख़त्म करके सबको समता व न्याय की हिमायती बन जाए, यह दिवास्वप्न है क्योंकि इन सभी के विचार केंद्र में धर्म है, सत्ता है, वर्चस्व है। धर्म के नाम पर सियासी गोलबंदी इनके हित समूहों के वर्चस्व के अनुकूल है जबकि जाति के नाम पर हिस्सेदारी का सामाजिक सवाल संघ व भाजपा के धार्मिक ध्रुवीकरण को भीतर से ध्वस्त कर देने की गुंजाइश रखता है।

अगर सभी जातियों के लोगों को यह पता चल गया कि जिन्होंने सदियों से उनकी हकमारी की है, भाजपा उन्हीं की राजनीतिक प्रतिनिधि है। यह छिपाने के लिए भाजपा जाति पर बात न करके धर्म और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की सियासत करती है। जाहिर है, जातिगत हक़मारी का सवाल केंद्र में आ गया, तो भाजपा की वैचारिक व सियासी ज़मीन ध्वस्त हो जाएगी। इसीलिए संघ व भाजपा सामाजिक न्याय के बजाय सामाजिक समरसता की बात करते हैं।

यानी जातियां बनी रहें, जातिगत हकमारी क़ायम रहे; बस सब शांति से साथ रहें। हकमारी व हिस्सेदारी के सवाल न करें। यह संघ व भाजपा का सबसे बड़ा वैचारिक धोखा है इसीलिए अन्याय व असमानता को मानने वाली भाजपा जातीय जनगणना का विरोध कर रही है।

भाजपा जाति पर बात न करके धर्म और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की सियासत करती है। जाहिर है, जातिगत हक़मारी का सवाल केंद्र में आ गया तो भाजपा की वैचारिक व सियासी ज़मीन ध्वस्त हो जाएगी

भाजपा की मूल चिंता सत्ता की कुर्सी व हित-समूह का वर्चस्व क़ायम रखना ही है। इसलिए धर्म वाली खोल के भीतर भीतर भाजपा कथित जातिवादी राजनीति करती है। मिसाल के तौर पर भाजपा हर समूह की एक दो सियासी तौर पर ताकतवर जातियों के ख़िलाफ़ बाक़ी जातियों को खड़ा करके विभाजित करती है। फिर विभाजित जातीय समूहों में सभी जातियों के जातीय सम्मेलन करवा कर, उन जातियों के कुछ को टिकट देकर, उन जातियों को साधती है।

एक तरफ़ तो भाजपा अपने केंद्रीय सियासी विचार के मुताबिक तमाम पहचानों को हाशिए पर धकेलते हुए धार्मिक पहचानों की बाइनरी को हावी करना चाहती है, वहीं दूसरी ओर तमाम दलित, पिछड़ी, आदिवासी व वंचित समूहों को जाति के नाम पर साधने की रणनीति बनाकर काम कर रही है। भाजपा के कई प्रमुख नेता जातीय जनगणना के समर्थक रहे हैं, मसलन 2010-11 में गोपीनाथ मुंडे या 2018 के राजनाथ सिंह।

बिहार जैसे सामाजिक न्याय की मज़बूत सियासी ज़मीन पर भाजपा जातीय जनगणना का विरोध करने का साहस नहीं जुटा पाती। ये विरोधाभास इशारा करता है कि जिन सूबों की वंचित शोषित जातियों के बीच राजनीतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक चेतना जितनी ज़्यादा है, भाजपा की दोहरी चाल वहां उतनी ही विफल है।

भाजपा धर्म को भारतीयता की मूल पहचान के तौर पर आरोपित करती है, इसलिए जाति, भाषा, लैंगिकता, अर्थ इत्यादि तमाम सहज पहचानों को नकारती है मगर विरोधाभास यह है कि भारत का वोटर पहले जाति को जीता है। 1990 तक भारत में जातियों के राजनीतिकरण की एक ऐतिहासिक परिघटना घटित हो चुकी थी। कर्पूरी ठाकुर, कांशीराम, लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव जैसे सियासतदानों ने पिछड़ी व दलित जातियों में सामाजिक सांस्कृतिक बोध और राजनीतिक महत्वाकांक्षा का संचार कर मंडल आंदोलन के रूप में सियासत को क्रांतिकारी मोड़ दिया।

मंडल आंदोलन ने भाजपा समेत सभी दक्षिणपंथी धड़ों की सियासी ज़मीन ही

फाइल फोटो

ध्वस्त कर दी। जातियों के राजनीतिकरण के चलते अंतिम व्यक्ति तक राजनीतिक और आर्थिक ताक़त हस्तांतरित होना शुरू ही हुई थी कि भाजपा ने सांप्रदायिक कमंडल से राष्ट्र निर्माण की इस ऐतिहासिक प्रक्रिया को बाधित कर दिया क्योंकि अगर हर जाति को वोट की ताक़त के साथ उसके जातीय बोध से पैदा हुई आर्थिक, सामाजिक हक़मारी की जागरूकता हो जाती तो थोड़े से वर्चस्वशाली हित-समूह का सत्ता में क़ाबिज़ रहना असंभव हो जाता।

इसलिए सभी जातियों का वोट लेने के लिए भाजपा ने धर्म के नाम पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को सामने रखकर भीतर से सामाजिक समूहों का वोट लेने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया।

श्री नरेंद्र मोदी ने खुद को पिछड़ी जाति का बताकर देशभर में ओबीसी का वोट लेने की कोशिश की तो मगर प्रधानमंत्री बनने के बाद अब तक मंडल कमीशन की बाक़ी बची सिफ़ारिशों की बात नहीं की, शिक्षा व रोज़गार में ओबीसी के अपनी आबादी से चौथाई होने पर कोई चिंता ज़ाहिर नहीं की। वंचित समूहों के प्रोफेसर, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, कुलपति, डीएम, एसपी, सचिव, अधिकारी, कर्मचारी, उद्योगपति ओबीसी के कितने हैं, कभी इन मुद्दों को नहीं उठाया।

निजीकरण के ज़रिए आरक्षण को नष्ट किया जा रहा हो, फिर भी हमेशा बात धर्म की होगी। यही भाजपाई साज़िश है। भाजपा और उसके नीति नियंताओं को इस बात का बखूबी अंदाज़ा है कि अगर जातीय जनगणना के मुद्दे पर जागरुकता और चुनावी कैम्पेन मज़बूत हुई तो हिस्सेदारी और हक़मारी के ऐसे अनगिनत सवालों के जवाब गांव क़स्बों तक में मांगे जाने शुरू हो जाएंगे। इसीलिए भाजपा लगातार जातीय जनगणना से भाग रही है।

असल इम्तेहान तो उन वंचित शोषित सामाजिक समूहों दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, महिलाओं का है कि वे अपने सरोकारी मुद्दे पर कितनी मज़बूती से खड़े हो पाते हैं। कायदे से जाग जाएं तो सियासत मुद्दे भटकाने के बजाय सरोकारी एजेंडे पर बात करने को मजबूर हो जाती है। यही भारतीय लोकतंत्र की ख़ूबसूरती है। देखना दिलचस्प है कि लोकतंत्र कितना सरोकारी हो सका है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं)

अखिलेश के दौरे उत्साह से लबरेज

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए संगठन को मजबूत करने में जुटे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के देश के अन्य राज्यों व उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में हो रहे दौरों से समाजवादी पार्टी के पक्ष में माहौल बनता जा रहा है। दौरों से जहां कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हो रहा है, वहीं आमजन के भरपूर समर्थन से चुनाव में समाजवादी पताका फहराने की इबारत लिखती जा रही है।

दौरों में जिस तरह श्री अखिलेश यादव को समर्थन मिल रहा है, वह यह संकेत कर रहा है कि 2024 के चुनाव नतीजे पूरी तरह समाजवादी पार्टी के पक्ष में आने वाले हैं। इन दौरों में कार्यकर्ता और आमजन घंटों राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का

इंतजार कर रहे हैं और उनका जोरदार स्वागत कर उनमें विश्वास जता रहे हैं। इन दौरों की सबसे खास बात यह है कि इसमें सभी तबके के लोग साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

28 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव राजस्थान के दौरे पर थे। उन्होंने अजमेर पहुंचकर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चादर भी पेश की और मानवता के कल्याण के लिए दुआ मांगी। जिस तरह वहां पर श्री अखिलेश यादव का खैरमकदम हुआ, वह काबिले गौर रहा और यह बता गया कि लोगों में उनके प्रति कितना प्यार और विश्वास है। अजमेरके दौरे में श्री यादव धौलपुर मिलिट्री स्कूल में उन्हें पढ़ाने वाले दिवंगत शिक्षक के घर भी गए और उनके परिजनों से मुलाकात की।

अजमेर यात्रा पर श्री अखिलेश यादव ने मीडिया के बात करते हुए तमाम मुद्दों पर अपनी राय रखी। बेबाकी से जवाब दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दस साल में देश को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया। भाजपा सरकार ने अपने स्वार्थ के लिए मणिपुर जैसी घटना होने दी। भाजपा की सरकारों ने देश की जनता का भरोसा तोड़ा है। महंगाई, बेरोजगारी बढ़ाई है। किसानों की आय नहीं बढ़ी। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग इंडिया गठबंधन से घबराए हुए हैं। ये लोग देश को क्या आगे बढ़ाएंगे? भाजपा वाले इंडिया गठबंधन का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। भाजपा सरकार गरीब और मध्यम वर्ग की जेब काटकर मुनाफा अपने उद्योगपति मित्रों की तिजोरियों में डाल रही है।

उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे जारी हैं और वे लगातार जिलों में पहुंचकर संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद, आमजन की समस्याओं से रूबरू होकर उसके समाधान का भरोसा दिला रहे हैं। वे सभी की पीड़ा सुन रहे हैं, दिलासा दे रहे हैं। हाल के दिनों में वह मेरठ, मैनपुरी, रायबरेली, बांदा, इटावा, फतेहपुर आदि जिलों में दौरों पर थे।

इन जिलों में कार्यकर्ताओं के अलावा हजारों की संख्या में आमजन ने उनका स्वागत करते हुए भाजपा को सत्ता से बेदखल करने में भरपूर समर्थन का भरोसा दिलाया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सरकार की मनमानी से त्रस्त आमजनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से एक ही आग्रह किया कि भाजपा को सत्ता से जल्द से जल्द हटाइए।

22 जुलाई को मैनपुरी दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि देश की दो तिहाई जनता भारतीय जनता पार्टी से नाराज है। यह नाराजगी इसलिए है क्योंकि भाजपा सरकारों ने जनता को धोखा दिया है। महंगाई, बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों की आय दुगनी नहीं हुई। किसानों को उनकी फसलों का लागत मूल्य नहीं मिला। भाजपा सरकार में अगर कोई महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर सवाल उठाता है तो सरकार झूठे मुकदमें करती है। जेल भेजकर आवाज दबाती है। पिछले दिनों वाराणसी में दुकानदार ने टमाटर की महंगाई पर प्रदर्शन किया तो उस पर मुकदमा लगाकर जेल भेज दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महंगाई बढ़ाकर गरीबों और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दिया है। खाने-पीने के दाम पहले से ही बढ़े हुए थे। अब सरकार सब्जियों के दामों की वृद्धि भी नहीं रोक पा रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मणिपुर जैसी घटना दुनिया में कहीं नहीं हुई होगी। इस घटना ने दुनिया में देश की प्रतिष्ठा गिराई है। इस तरह की तस्वीरों से सिर शर्म से झुक जाता है।

26 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय

बड़ी देग

PDA
सरकार
PDA
सरकार
राहुल निर्मल बागी

अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मेरठ दौरे पर थे। यहां भी उनका जोरदार स्वागत-अभिनंदन हुआ। आमजन ने उनसे मुलाकात की। उनसे मिलने के लिए लोग घंटों इंतजार करते रहे। श्री यादव ने सभी की बातें सुनीं, उनकी समस्याएं जानीं। श्री अखिलेश यादव दुर्घटना में मृत कांवड़ यात्रियों के परीजनो से भी मिले।

मेरठ में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा इंडिया गठबंधन यूपी के साथ ही पूरे देश में भाजपा का सफाया करेगा। इस इंडिया गठबंधन में समग्रता है। हमारी मिलीजुली संस्कृति है। हम लोग सबको जोड़कर साथ लेकर चलेंगे। लोकसभा चुनाव में संविधान और लोकतंत्र बचाने वालो और संविधान, लोकतंत्र खत्म करने वालों के बीच मुकाबला है। इंडिया और पीडीए का मुकाबला एनडीए और भाजपा नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि एक तरफ देश के लोकतंत्र और संविधान के बचाने वालों का इंडिया गठबंधन है। दूसरी तरफ भाजपा है जो कि संविधान और लोकतंत्र खत्म करना चाहती है।

उम्मीदों के अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से समाज के सभी तबकों की उम्मीदें बढ़ी हैं। उन्हें विश्वास है कि यही एक ऐसे राजनेता हैं जो मुश्किल घड़ी में उनका साथ दे सकते हैं। यही कारण है कि उनसे मिलने के लिए लोग अपनी समस्याएं लेकर समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंच रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव उनसे मुलाकात कर रहे, उनकी समस्याएं सुन रहे हैं और उनका साथ देने का भरोसा दिला रहे हैं। जितने लोग समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर रहे हैं, वे सभी भाजपा सरकार से त्रस्त हैं।

अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण के तहत आने वाले मकान व दुकानों को उजाड़ा जा रहा है लेकिन उचित मुआवजा देने में आनाकानी की जा रही है। भाजपा सरकार में कोई सुनवाई न होने से मायूस वहां के प्रभावित लोगों ने न्याय की आस और

इस मामले में मदद के लिए 4 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के यहां दस्तक दी।

बड़ी संख्या में पहुंचे प्रभावितों से श्री यादव ने मुलाकात कर उनकी पीड़ा सुनी और न्याय के लिए उनका साथ देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ भाजपा सरकार घोर अन्याय कर रही है। समाजवादी पार्टी पीड़ितों को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने समाजवादी सरकार बनने पर अयोध्या में जमीनों की अवैध रजिस्ट्री की जांच कराने तथा गरीबों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि यह वाजिब सवाल है कि 14 कोसी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रवासियों को उजाड़ दिया तो उनके पुनर्वास का क्या होगा? वे अपने पशुधन लेकर कहां जाएंगे? राम मंदिर के निर्माण में जिनकी जमीन-मकान लिए जा रहे है उन्हें पर्याप्त मुआवजा क्यों नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में समाजवादी सरकार के समय भजन स्थल बना था। चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग पर पारिजात, जामुन और पीपल, कदम, पाकड़ के पेड़ों का रोपण किया गया था। सरयू तट का सुन्दरीकरण किया गया। भाजपा ने अयोध्या में जमीन की लूट के अलावा और क्या किया है?

पीड़ितों ने बताया कि पंचकोसी और चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग पर कई पीढ़ियों से रहते आए हैं। उनकी मांग है कि खेती की जमीन, मकान, दुकान का मुआवजा 6 गुना मिले और निवास तथा दुकान मुहैया कराई जाए। छावनी अयोध्या के अन्तर्गत निर्मली कुण्ड, गुप्तार घाट में निषाद एवं गौड़ समाज, दलित एवं यादव समाज के लोगों के मकान-दुकान तोड़े जा रहे हैं। वे चाहते हैं कि परिक्रमा मार्ग को ब्रिगेडियर हाउस की तरफ से ले जाया जाए जिधर कोई आबादी नहीं है। निर्मलीकुण्ड में प्राचीन सीता और राम जी के मंदिर हैं।

श्री अखिलेश यादव से मुलाकातों की इसी कड़ी में भाजपा सरकार में परेशान चल रहे पोल्ट्री व्यवसायी 2 अगस्त को उनसे मिलने पार्टी के राज्य मुख्यालय पहुंचे। कुक्कुट विकास समिति के प्रतिनिधि मण्डल ने श्री अखिलेश यादव को बताया कि अंडा माफियाओं द्वारा प्रदेश के पोल्ट्री व्यवसाय को क्षति पहुंचाई जा रही है। इसे रोके जाने और गुणवत्तायुक्त अंडा उपलब्ध कराने के लिए फरवरी 2023 में जारी शासनादेश को लागू कराने में मदद करने और प्रभावी कार्यवाही कराने की मांग की।

कुक्कुट विकास समिति के ज्ञापन में कहा गया है कि निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने 2022 में अंडों पर उत्पादन तिथि अंकित करने का शासनादेश जारी किया था। कुक्कुट विकास समिति ने उत्पादन तिथि अंकित अंडों की बिक्री की मांग की है जबकि अंडा माफिया इसका विरोध करते हैं। समिति उप्र कोल्ड स्टोरेज विनियमन अधिनियम के पालन पर भी जोर दे रही है। रेफ्रीजरेटेड गाड़ियों से अंडों के परिवहन का भी शासनादेश में जिक्र हैं। उप्र एग ट्रेडर्स एसोसिएशन भी इसके समर्थन में है। अंडा माफियाओं ने दबाव डालकर शासनादेश को 3 महीने के लिए स्थगित करा दिया है।

दलित छात्रावास बचाओ संघर्ष समिति प्रयागराज के नेतृत्व में छात्रों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने 29 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रतिनिधि

मण्डल ने बताया कि पूर्व सांसद महाशय मसुरियादीन पासी के द्वारा 1952 में बालसन चौराहा प्रयागराज में स्थापित डीसी छात्रावास से प्रशासन दलित छात्रों को जबरन बाहर निकाल रहा है।

प्रतिनिधि मण्डल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को बताया कि जिस छात्रावास को सन 2008 तक समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा अनुदान भी मिलता रहा है। भूमाफियाओं और अधिकारियों की सांठगांठ से वर्तमान समय में छात्रावास का अनुदान भी बंद कर दिया गया है। अचानक 2 3 जुलाई को जिला प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ

आकर उसमें रह रहे छात्रों की किताबों समेत उनका सब सामान बाहर फेंकवा दिया और पूरा छात्रावास खाली करा दिया गया। विरोध कर रहे छात्रों को जबरन थाना जार्जटाउन में पकड़कर शाम तक बैठाए रखा। इसके साथ ही प्रशासन के संरक्षण में भूमाफियाओं ने गुंडों और बाउंसरों के साथ छात्रावास की सीढ़ियों को तोड़कर उसमें गेट लगवा कर ताला जड़ दिया है।

श्री अखिलेश यादव को दिए गए ज्ञापन में छात्रों ने मांग की है कि डी सी छात्रावास से निकाले गए छात्रों का तत्काल पुनर्वास कराया जाए। दलित छात्रावास राजापुर, हिन्द छात्रावास बलुआघाट, ईश्वर शरण छात्रावास सरोली, राजेन्द्र प्रसाद छात्रावास सलोरी, जीबी पंत छात्रावास को बहाल किया जाए। सरकार द्वारा समाज कल्याण विभाग, प्रयागराज को विशेष आर्थिक पैकेज देते हुए सभी छात्रावासों को व्यवस्थित कराया जाए। सरकार द्वारा न्यायिक समिति का गठन करके तत्काल पूरे प्रकरण की जांच कराते हुए दोषी अधिकारियों व भूमाफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। श्री अखिलेश यादव ने छात्रों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

मणिपुर पर सपा मुखर

बुलेटिन ब्यूरो

मणिपुर हिंसा व महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार से आहत समाजवादी पार्टी ने जोरदार तरीके से गम व गुस्से की आवाज बुलंद की। समाजवादी महिला सभा व पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ ने कैंडिल मार्च निकालकर विरोध जताया और घटना की कड़े शब्दों में निंदा की।

समाजवादी महिला सभा ने 23 जुलाई को उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में मणिपुर में महिलाओं पर हुए जुल्म, ज्यादती व अपमान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कैंडिल मार्च निकालकर गम का इजहार किया और मणिपुर के लोगों खासतौर पर महिलाओं के साथ हुए अपमान पर अपना गम व गुस्सा जाहिर किया।

महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जूही सिंह व प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीबू श्रीवास्तव के नेतृत्व में महिलाओं ने यह विरोध प्रदर्शन किया। सभी जिलों में कैंडिल मार्च व विरोध प्रदर्शन किए गए। राजधानी लखनऊ में अंबेडकर पार्क से 1090 वूमेन पावर लाइन चौराहा तक कैंडिल मार्च निकाला गया। महिला सभा ने इस अवसर पर कहा कि महिलाएं, भाजपा सरकार की संवेदनहीनता से आंदोलित हैं।

27 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने प्रदेश भर में काली पट्टी बांधकर कैंडिल मार्च निकाला और मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए अन्याय अत्याचार पर विरोध जताया। पूर्व सैनिको ने कहा कि कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले एक सूबेदार की पत्नी को मणिपुर में जिस तरह सैकड़ों की भीड़ ने सड़क पर निर्वस्त्र करके घुमाया और एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पत्नी को जला कर मार दिया वह बेहद शर्मनाक और निंदनीय है।

मणिपुर के लिए भाजपा जिम्मेदार

समाजवादी पार्टी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला और कहा कि मणिपुर की घटना के लिए पूरी तरह भाजपा सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि इस घटना से सिर शर्म से झुक गया है।

उन्होंने मणिपुर की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए लोकसभा में कहा कि यूपी में हर तीन घंटे पर एक महिला के साथ अत्याचार हो रहा है और सरकार मौन है।

लोकसभा में सरकार के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव पर जोरदार तरीके से अपनी बात कहते हुए श्रीमती डिंपल यादव ने सरकार को घेरा और तमाम बिंदुओं पर सदन का ध्यान आकर्षित किया।

मणिपुर में महिलाओं पर हुए अत्याचार की चर्चा के दौरान श्रीमती यादव ने एनसीआरबी के आंकड़ों के हवाले से सदन को बताया कि यूपी और मध्यप्रदेश में प्रत्येक तीन घंटे पर एक महिला का शारीरिक शोषण हो रहा है। इस पर भी चर्चा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना की दुनिया भर में निंदा हुई। देश का सिर शर्म से झुक गया। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने और उनके साथ हुए अत्याचार के लिए पूरी तरह से भाजपा सरकार जिम्मेदार है। सपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, क्या मणिपुर हमारे देश में नहीं हैं। क्या वे हमारे भाई-बहन नहीं हैं। मणिपुर में जो कुछ हुआ उसकी नैतिक और राजनीतिक जिम्मेदारी पूरी तरह से भाजपा सरकार की है।

भाजपा देश में नफरत फैला रही

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार पूरे देश में नफरत की आग फैला रही है। भाजपा अपने राजनीतिक एजेण्डे के लिए सामाजिक सदभाव को बिगाड़ रही है। नफरत की आग फैलाना और समाज को बांटना ही भाजपा का मॉडल है। भाजपा शांति और विकास की दुश्मन है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मणिपुर से लेकर हरियाणा तक भाजपा शासित राज्य जल रहे हैं। बरेली में दंगा कराने की साजिश हुई। भाजपा सरकार दंगाइयों को शह देती है और कानून व्यवस्था बनाने वाले अधिकारियों को दंडित करती है।

उन्होंने देश की जनता से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि जनता किसी भी राजनीतिक साजिश और अफवाहों से सजग और सतर्क रहते हुए अपना भाईचारा बनाए रखें। मणिपुर के बाद हरियाणा की हिंसा डबल इंजन सरकार की नाकामी का एक और उदाहरण है। सरकार के रूप में भाजपा का इंजन फेल रहा।

हमारी आन हमारी शान तिरंगा

बुलेटिन ब्यूरो

तिरंगे की आन, बान, शान के लिए मर मिटने के जज्बे के साथ समाजवादी पार्टी ने अगस्त क्रांति दिवस 9 अगस्त से ही बलिदानियों को याद करने, उनके रास्ते पर चलते हुए देश को आगे ले जाने, मजबूत बनाने, लोकतंत्र को और मजबूती देने के संकल्प के साथ जयहिंद के नारे बुलंद करने शुरू कर दिए थे जिसका सिलसिला स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने तक चलता रहा। अगस्त क्रांति दिवस व स्वतंत्रता दिवस पर समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए।

9 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में डॉ राममनोहर लोहिया सभागार में अगस्त क्रांति के महानायकों महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, डॉ राममनोहर लोहिया, अरूणा आसफ अली तथा ऊषा मेहता के चित्रों पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने माल्यार्पण के बाद बड़ी संख्या में उपस्थित नेताओं व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रसिद्ध कवि एवं पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह ने इस अवसर पर पीडीए-इंडिया का 11- सूत्रीय संकल्प पत्र पढ़ा, जिसे सभी ने दोहराया।

अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 9 अगस्त के दिन ही 1942 को महात्मा गांधी ने "अंग्रेजो भारत छोड़ो" का नारा दिया था। श्री यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान देश को दिया था उस संविधान को आज सत्ता में बैठे लोग कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं।

15 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने सैफई में स्वतंत्रता दिवस पर जय हिन्द और भारत माता की जय के नारों के बीच ध्वजारोहण किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ध्वजारोहण के पश्चात

अपने संबोधन में कहा कि देश में मणिपुर जैसी डरावनी हिंसक घटनाएं दोबारा न हों, इसका संकल्प हर देशवासी को लेना होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मणिपुर प्रदेश में जो घटना हुई है किसी भी देश में ऐसी घटना नहीं हुई होगी। केवल मणिपुर ही नहीं बल्कि देश के किसी भी कोने में किसी भी बेटी और महिला के साथ दुर्व्यवहार न हो।

श्री यादव ने कहा कि भारत को आजादी तमाम शहादतों के बाद मिली है। उनकी कुर्बानी भुलाई नहीं जा सकती है। आजादी की खुशियां मनाते हुए हमें आजादी की लड़ाई में लिए गए संकल्पों और स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने का व्रत लेना होगा।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी एवं प्रदेश महासचिव जयशंकर पाण्डेय भी उपस्थित थे।

समाजवादियों ने लिया संकल्प

1. खुशहाल यूपी खुशहाल इंडिया बनाकर रहेंगे

2. समाज में, धार्मिक सद्भाव, सहिष्णुता और सहअस्तित्व को बढ़ाएंगे

3. देश में लोकतंत्र, गणराज्य एवं संविधान बचाएंगे

4. संविधान प्रदत्त सामाजिक न्याय, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक को दिलवाकर रहेंगे एवं सस्ती और समान शिक्षा की व्यवस्था करेंगे

5. सामाजिक न्याय के लिए जातीय आधारित जनगणना करवा कर दम लेंगे

6. गरीबी हटाने, रोज़गार लाने और अमीरी गरीबी का फासला कम करने को आजीवन संघर्ष करेंगे

7. पर्यावरण हेतु, जल संरक्षण बढ़ाएंगे और जल, वायु, ध्वनि प्रदूषण कम करेंगे

8. देश की आर्थिक खुशहाली हेतु श्रमिक, किसान को अर्थव्यवस्था के केन्द्र में लाएंगे

9. महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा एवं उनके अधिकार दिलाएंगे।

10. धरती बचाने हेतु हिमालय, वृक्ष, नदियां बचाएंगे।

11. संविधान प्रदत्त समाजवाद लाएंगे और लोकतंत्र को बचाने के लिए अलोकतांत्रिक भाजपा को हटा कर विश्व के सूचकांक पर भारत के लोकतंत्र को ऊपर ले जाएंगे और मान बढ़ाएंगे

अगस्त क्रांति और समाजवादी आंदोलन

जयशंकर पाण्डेय

भारतीय समाजवाद के इतिहास में अगस्त और अक्तूबर का महीना विशेष रूप से महत्व रखता है। अगस्त में शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादियों का वैचारिक और राजनीतिक योगदान अद्वितीय है जबकि अक्तूबर महात्मा गांधी के साथ आचार्य नरेंद्र देव, जयप्रकाश नारायण और डॉ राममनोहर लोहिया के निजी जीवन (जन्मतिथि और पुण्यतिथि के रूप में) जुड़ा हुआ है।

इसका मतलब यह नहीं कि बाकी महीने उनकी सक्रियता और स्वप्नदर्शिता से अलग हैं क्योंकि समाजवादी होने का मतलब है निरन्तर अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के लक्ष्य को लेकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना जहां ऐसे मूल्य निश्चिंत होकर पनप सकें और ऐसा मनुष्य बनाना जो इन मूल्यों को जीते हुए अपनी आत्मसिद्धि कर सके।

अपनी महान विरासत को याद करना और उसे उत्सव का रूप देना अच्छा है लेकिन उससे भी कहीं ज्यादा जरूरी है कि उस विरासत को समझना और उसे वोट बैंक की राजनीति से निकालकर आगे ले जाना। सन् 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू होने से पहले महात्मा गांधी दूसरे विश्व युद्ध में अंग्रेजों का साथ दे रहे थे। उन्हें लगता था कि हिटलर और मुसोलिनी के विरुद्ध अंग्रेज लोकतंत्र के नज़दीक हैं इसलिए उनका साथ देना चाहिए।

हिटलर ने अन्यायपूर्ण युद्ध थोपा इसलिए उसके विरुद्ध लड़ने वालों का साथ देना चाहिए। ऐसा करने से भारत को आजादी का वचन मिल जाएगा लेकिन अंग्रेज भले ही उस युद्ध को विश्व युद्ध का नाम दें पर वह यूरोपीय साम्राज्यवादियों के बीच का ही युद्ध था।

उस युद्ध में भारतीय स्वतंत्रता के युद्ध और उसके सपनों का क्या किया जाए इस बारे में पंडित जवाहर लाल नेहरू भी बहुत भ्रमित थे। वे ऐसा कोई आंदोलन नहीं करना चाहते थे जो सोवियत संघ के विरोध में जाए या अमेरिका से टकराने की स्थिति पैदा करे।

सुभाष बाबू जरूर संघर्ष चाहते थे लेकिन इटली और जर्मनी से सम्पर्क रखने के कारण वे उनकी सहायता लेना चाहते थे। कम्युनिस्टों को जनयुद्ध और साम्राज्यवादी युद्ध के बीच भ्रम था और वे उसी देश के साथ रहना चाहते थे जहां पर सोवियत संघ खड़ा था जबकि हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मुसलमानों के विरुद्ध हिन्दू राज कायम करने के लिए अंग्रेजों के साथ खड़े थे। भयानक भ्रम की ऐसी स्थिति में दो चीजों ने कुहासे को छांटने का काम किया।

एक थी राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्थितियों के बारे में समाजवादियों की चिंतन दृष्टि और दूसरी थी महात्मा गांधी की अंतस्चेतना। आचार्य नरेन्द्र देव ने अपनी तीक्ष्ण विश्लेषण दृष्टि से यह स्पष्ट किया कि अन्तर्राष्ट्रीय स्थितियों के अनुरूप भारत अपनी भूमिका तभी निभा सकता है जब वह स्वतंत्र हो। इसलिए गुलाम देश को अपनी राष्ट्रीय मुक्ति पर ज्यादा जोर देना चाहिए। इसी सैद्धांतिक दृष्टि के कारण समाजवादी गांधी को यह समझाने में सफल रहे कि उन्हें अंग्रेजों के विरुद्ध अंतिम युद्ध छेड़ना चाहिए यानि महात्मा गांधी को अन्तरराष्ट्रीय राजनीति के भ्रम से निकालने में समाजवादियों का विशेष योगदान रहा।

सदैव अहिंसा पर जोर देने वाले और असहयोग आंदोलन को चौरीचौरा की हिंसा के कारण वापस ले लेने वाले गांधी ने इस आंदोलन को हिंसा के बावजूद वापस नहीं लिया। जब अंग्रेजों ने आरोप लगाया कि समाजवादी लोग टेलीफोन के खंभे उखाड़ रहे हैं, जेलों से निकलकर भाग रहे हैं और रेल की पटरियां उखाड़ रहे हैं और अपने लोगों को छुड़ाने के लिए हथियारबंद संघर्ष कर रहे हैं, गुप्त रेडियों चला रहे हैं, गांधी पहले चुप रहे। फिर उन्होंने कहा कि आपने तो मुझे जेल में डाल रखा है मैं किसी को नेतृत्व कैसे दे सकता हूं। जनता स्वतंत्र हो चुकी है और वह अब आपको बर्दाश्त नहीं करेगी।

जयप्रकाश नारायण जेल कूद कर भागे थे। उन्हें नेपाल से गिरफ्तार किया गया। उनकी गिरफ्तारी से पहले समाजवादियों ने हथियारबंद जत्था बना रखा था जिसने थाने पर हमला करके एक बार उन्हें छुड़ाया भी। गिरफ्तारी से पहले डॉ राममनोहर लोहिया, अरूणा आसफ अली और विजया पटवर्धन ने महाराष्ट्र में भूमिगत रेडियो चलाया और आंदोलन की खबरों को जनता तक पहुंचाया।

जयप्रकाश नारायण और डॉ राममनोहर लोहिया को अलग-अलग गिरफ्तार किया गया लेकिन उन्हें लाहौर के केन्द्रीय जेल में ले जाया गया। उन्हें वैसी ही यातना दी गई जैसी यातना भगत सिंह को दी गई थी। आजादी की लड़ाई में वे फांसी के तख्ते पर तो नहीं चढ़े लेकिन भगत सिंह की कोठरी में रह कर कठोर यातना झेल कर आजादी के वैसे ही दीवाने बन गए।

समाजवादियों ने गांधी के प्रभाव में अपने को बदला और बाद में उन्होंने स्वतंत्र भारत में समाजवाद लाने के लिए अहिंसक संघर्ष का संकल्प लिया। लोहिया ने जेल, फावड़ा और वोट जैसे हथियार देकर देश की जनता का आह्वान किया कि वह हर तरह से अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करें। वे लोकतंत्र में यकीन करते थे और चुनाव लड़कर समाज और राजनीति को बदलने की कोशिश करते थे लेकिन इसी के साथ वे यह भी मानते थे कि हर पांच साल पर वोट देकर बैठ जाने से न तो अन्याय मिटता है और न ही अच्छे कामों की गारन्टी हो पाती है। इसलिए सिविल नाफरमानी का आंदोलन दो चुनावों के बीच चलते रहना चाहिए क्योंकि अगर अन्याय जारी रहा तो वोट बेकार हो जाएगा और गोली हावी हो जाएगी क्योंकि समाज में हिंसा और अहिंसा के बीच निरन्तर द्वंद्व चलता रहता है।

समाजवादियों ने रचनात्मक कर्म का उपकरण भी दिया। रचनात्मक कर्म सिर्फ सत्ता में रहने पर ही नहीं होता उसे विपक्ष में रहने पर भी जारी रखना चाहिए। 1942 तक वे हिंसा और अहिंसा को लेकर ज्यादा विवाद नहीं करते थे लेकिन गांधी के प्रभाव में उनके लिए साधन की पवित्रता महत्वपूर्ण हो गई लेकिन उन्होंने एक समतामूलक और न्याय पर आधारित समाज बनाने के साध्य को न कभी छोड़ा था और न कभी छोड़ेंगे।

(लेखक समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक हैं)

फोटो स्रोत : गूगल

जनक्रांति का महापर्व

मधुकर त्रिवेदी
वरिष्ठ पत्रकार

अगस्त माह को यदि जनक्रांति के महापर्व की संज्ञा दी जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस महीने की 9 और 15 अगस्त की तिथियों का ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि इन्हीं तिथियों में भारत की भाग्यरेखा निर्धारित हुई थी। अंग्रेजी साम्राज्य की गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत ने सन् 1857 में ही अपने विद्रोह का झंडा उठा लिया था पर 9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो का ऐसा क्रांतिनाद हुआ कि 15 अगस्त 1947 को उन्हें अपना बोरिया बिस्तर समेटना ही पड़ गया।

9 अगस्त 1942 को बंबई के ग्वालियर टैंक में कांग्रेस की बैठक में गांधी जी ने एक ऐतिहासक प्रस्ताव पेश किया कि अंग्रेज भारत छोड़ दें। जुल्मी सरकार को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन छेड़ने का भी इरादा जताया गया। गांधी जी ने इस अवसर पर एक मंत्र दिया "करो या मरो"। उन्होंने विद्यार्थियों, कर्मचारियों सहित समाज के सभी वर्गों से इस आंदोलन में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। 9 अगस्त 1942 की भोर तक गांधी जी सहित सभी वरिष्ठ कांग्रेसजनों की गिरफ्तारी हो गई।

अंग्रेज सरकार सोचती थी कि 9 अगस्त का प्रस्ताव कागजों में ही रह जाएगा। पर तभी कांग्रेस में शामिल समाजवादी विचारधारा के श्री जयप्रकाश नारायण, डॉ राममनोहर लोहिया, अरूणा आसफ अली, ऊषा मेहता आदि ने आगे बढ़कर आंदोलन की कमान थाम ली। फिर तो कई जगह सरकार का तख्ता पलट हो गया।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता श्री गोविन्द सहाय ने "सन् 1942 का विद्रोह' पुस्तक में लिखा था- ''सन् 1857 का गदर, फ्रांसीसी राज्यक्रांति, सन् 1917 की रूसी लाल क्रांति सभी कितनी ही बातों में अगस्त 42 के आंदोलन के सामने फीके पड़ते हैं। सन् 1942 का खुला विद्रोह पुराने सब प्रयत्नों से ध्येय, नीति निपुणता, संगठन, बलिदान और

जनोत्साह सभी मामलों में कहीं बढ़ा-चढ़ा है। यह वह सामूहिक प्रयत्न था जिसकी चिंगारी गांव-गांव फैल गई थी। ऐसा लगता था कि सारा राष्ट्र गहरी नींद से जागकर एकाएक उठ खड़ा हुआ है।"

कांग्रेस के इस जनांदोलन के साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज के दिल्ली चलो आह्वान से भी देशवासी रोमांचित और उत्साहित थे। दूसरे महायुद्ध में ब्रिटेन आर्थिक-सामरिक रूप से कमजोर हो चला था। ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बन गई थी, चर्चिल जो भारत की आजादी के बहुत खिलाफ थे, किनारे हो गए थे।

लेकिन जैसे कि एक कहावत है चोर भले चोरी से बचे पर हेराफेरी से तो नहीं जाएगा। ब्रिटिश सरकार को अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों, आंतरिक मजबूरियों और भारत में बढ़ते अंसतोष के चलते भारत को आजादी देने का निर्णय तो लेना पड़ा लेकिन उसने साजिशन भारत को खंडित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पाकिस्तान का मूल प्रस्ताव तो जिन्ना का था परन्तु कांग्रेस में विभाजन के समर्थक चक्रवर्ती राजा गोपालाचारी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और मौलाना आजाद भी बन गए थे। गांधी जी अकेले विभाजन के खिलाफ थे। पंजाब, बंगाल का भी बंटवारा हो गया। विभाजन की त्रासदी ने इतिहास को खून से लथपथ कर दिया और दो देशों के बीच वैमनस्य की एक लम्बी लकीर खींच दी। आजादी की लम्बी लड़ाई का नेतृत्व गांधी जी ने किया था लेकिन जब आजादी की भूमिका बनने लगी तो लार्ड माउण्टबैटन ने वह चाल चली कि जो गांधी जी के अपने थे वे पराए हो गए। गांधी जी ने अपनी पीड़ा इन शब्दों में व्यक्त की "पटेल और नेहरू तक समझते हैं कि मैं जो कुछ कह रहा हूं वह गलत है और अगर बंटवारे की बात पर समझौता हो जाए तो यहां शांति हो सकती है। वे लोग शायद यह भी सोचते हैं कि उम्र के साथ मेरी समझ बूझ कम होती जा रही है।"

गांधी जी की उम्र तब 78 वर्ष की थी। वे विभाजन से व्यथित थे पर अपने बनाए बुतों को तोड़ने को वे सहमत नहीं हो सके।

गांधी जी ने जो सपने देखे थे वे कहीं खो गए थे। उनका ग्राम स्वराज ही रामराज था, उसे भुला दिया गया। गांधी जी चिंतित थे कि पूरे राष्ट्र की मान मर्यादा उन लोगों के हाथों में है जिन्होंने स्वतंत्रता की जंग में भाग लिया था। यदि वे भी सत्ता का दुरुपयोग करने लगे तो हमारी आधारशिला ही कमजोर हो जाएगी

'फ्रीडम ऐट मिडनाइट' के लेखक डोमिनीक लापिएर और लैरी कालिन्स ने उस समय कांग्रेस नेतृत्व में आए बदलाव का जिक्र करते हुए माउंटबैटन के ये शब्द उद्धृत किए "मुझे बेहद अजीब लगा कि एक तरह से वे सभी कांग्रेसी नेता गांधी जी के खिलाफ और मेरे साथ थे। एक तरह वे सभी मुझे बढ़ावा दे रहे थे कि मैं उनकी तरफ से गांधी जी से टक्कर लूं।"

गांधी जी की मनोव्यथा को समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि 15 अगस्त को जब देश आजादी का जश्न मना रहा था गांधी जी दिल्ली से बाहर नोआखाली में साम्प्रदायिक हिंसा रोकने में जान की बाजी लगा रहे थे। दिल्ली आए तो भी हिंसा का विरोध करते रहे। उनके साथ तब समाजवादी डॉ राम मनोहर लोहिया ही जुड़े रहे।

गांधी जी ने जो सपने देखे थे वे कहीं खो गए थे। उन्होंने सत्ता के केन्द्रीयकरण और पश्चिमी अर्थतंत्र की नकल पर आपत्तियां की। उनका ग्राम स्वराज ही रामराज था, उसे भुला दिया गया।

गांधी जी चिंतित थे कि पूरे राष्ट्र की मान मर्यादा उन लोगों के हाथों में है जिन्होंने स्वतंत्रता की जंग में भाग लिया था। यदि वे भी सत्ता का दुरुपयोग करने लगे तो हमारी आधारशिला ही कमजोर हो जाएगी।

समाजवादी नेता डॉ राममनोहर लोहिया की यह बात स्मरणीय है कि "15 अगस्त राज्य दिवस है, 09 अगस्त जनदिवस है। कोई दिन जरूर आएगा जब 09 अगस्त के सामने 15 अगस्त फीका पड़ेगा और हिन्दुस्तान, अमेरिका के 4 जुलाई और फ्रांस के 14 जुलाई, जो वहां का जन दिवस है, उसी प्रकार हिन्दुस्तान 09 अगस्त को जन दिवस मनाएगा। अगस्त क्रांति की याद बिना आजादी के क्षणों को रेखांकित कर पाना आसान नहीं होगा। उस दिन के बलिदानों की वजह से हम आज सम्प्रभु राष्ट्र की खुली हवा में सांस ले रहे हैं।"

सामाजिक न्याय के योद्धा थे जनेश्वर मिश्र

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी आंदोलन के प्रखर नेता श्री जनेश्वर मिश्र की 90वीं जयंती राजधानी समेत पूरे उत्तर प्रदेश में सादगी से मनाई गई। 5 अगस्त को जनेश्वर मिश्र जी की जयंती पर लखनऊ के गोमतीनगर में स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में लगी उनकी आदमकद प्रतिमा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट में स्थापित प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया।

जनेश्वर मिश्र पार्क में श्री अखिलेश यादव के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी के अलावा जनेश्वर मिश्र जी की पुत्नी श्रीमती मीना तिवारी तथा भाई श्री तारकेश्वर मिश्र ने भी स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

जनेश्वर मिश्र जयंती पर मौजूद जनसमुदाय को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री जनेश्वर मिश्र जी ने हमेशा सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी। उन्होंने गैरबराबरी, सामाजिक और आर्थिक भेदभाव मिटाने तथा साम्प्रदायिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने समाजवादी सिद्धांतों को डॉ राममनोहर लोहिया और नेताजी जी श्री मुलायम सिंह यादव और अन्य समाजवादी नेताओं के साथ मिलकर आगे बढ़ाया।

फूलन देवी

महिला सशक्तिकरण की प्रतीक

पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती 10 अगस्त पर समाजवादी पार्टी ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। जयंती पर उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जयंती पर फूलन देवी को नमन करते हुए उन्हें महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने आजीवन अन्याय और अत्याचार का प्रतिकार किया था।

समाजवादी पार्टी ने फूलन देवी जी को संसद में भेजकर सामाजिक न्याय किया था। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि फूलन देवी वर्चस्ववादी सोच को चुनौती देने वाली क्रांतिकारी नायिका और नारी अस्मिता की प्रतीक थीं। इससे पहले 25 जुलाई को पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि पर भी उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

छत्रपति साहू जी महाराज को याद किया

छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती पर समाजवादी पार्टी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

26 जुलाई को छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कोल्हापुर के राजा छत्रपति साहूजी महाराज जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने पिछड़ों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की थी। वे सामाजिक न्याय के महान योद्धा थे।

वीरांगना अवंती बाई लोधी को नमन

वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महारानी अवंती बाई लोधी हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं।

वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 16 अगस्त को विधानसभा मार्ग स्थित वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली वीरांगना अवंती बाई लोधी को अंग्रेजों के विरुद्ध निर्णायक गोरिल्ला युद्ध के कारण याद किया जाता है।

पूर्व विधायक अबरार अहमद के निधन पर शोक

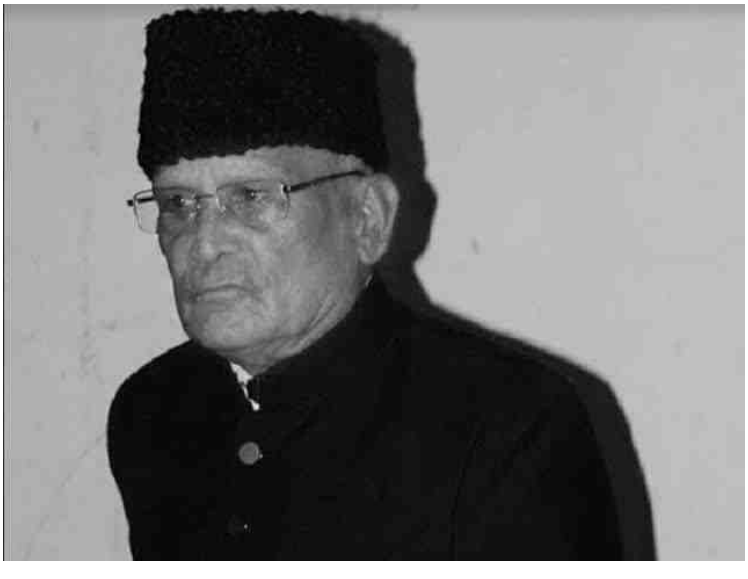

सुल्तानपुर जनपद के इसौली विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक रहे अबरार अहमद के निधन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गहरा शोक जताया है। वरिष्ठ समाजवादी नेता अबरार अहमद के शोक संतप्त परिवार के प्रति श्री यादव ने गहरी संवेदना व्यक्त की।

श्री यादव ने कहा कि श्री अबरार अहमद जी हमेशा समाजवादी पार्टी के प्रति समर्पित रहे। उनके निधन से पार्टी और परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

चाँद मुबारक!

@isro
#INDIA 🇮🇳

अब और भी आगे जाना है...

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'जातिगत सर्वेक्षण' पर रोक हटना सामाजिक न्याय की जीत है।

'जातीय जनगणना' ही सामाजिक न्याय का सच्चा रास्ता साबित होगी।

#PDA_हरायेगा_NDA
#INDIA_जीतेगा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

क़ानून-व्यवस्था का प्रतिमान
सपा का काम जनता के नाम

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हरियाणा की हिंसा, मणिपुर के बाद 'डबल इंजन' सरकार की नाकामी का एक और उदाहरण है।

सरकार के रूप में भाजपा का इंजन फ़ेल हो गया है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'दिल्ली अध्यादेश' पर जनता की तरफ़ से हमारा भाजपा से सिर्फ़ एक सवाल है : अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार होती तो क्या भाजपा ये अध्यादेश लाती?

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 1d

जब दिल मिलते हैं तो लोग गले मिलते हैं।

मैसूर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान पर्दे पर रजनीकांत जी को देखकर जितनी ख़ुशी होती थी वो आज भी बरकरार है। हम 9 साल पहले व्यक्तिगत रूप से मिले और तब से दोस्ती है...

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भारत छोड़ो आंदोलन' में जिन्होंने 'भारत छोड़ो' का नारा नहीं लगाया था, वो उसी की क्षतिपूर्ति में आज लगा रहे हैं।

भाजपा के राज में जो लोग पहले से भगाये गये हैं वो पहले से जाकर किसी और के आने के लिए तंबू तैयार करनेवाले लोग हैं। ये है भाजपा का अपने लोगों को 'भारत छुड़वाया आंदोलन'.

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

युवाओं के प्रेरणास्रोत, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन के नाम से प्रख्यात महान वैज्ञानिक 'भारत रत्न' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सपा की शक्ति कार्यकर्ता, जो हर हाल में संघर्ष करता!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

धर्म जीवन के साथ ही, मानवीय व्यवहार, सामाजिक सहनशीलता, व्यक्तिगत सकारात्मक उत्थान और चतुर्दिक सह अस्तित्व सिखाने का भी मार्ग है। धर्म लिबास से नहीं विचार-आचार से प्रकट होना चाहिए।

धर्म धमकी नहीं होता।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Visited an exhibition earlier today.

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'सपा' के उम्मीदवार
सुधाकर करेंगे सुधार

घोसी फिर एक बार
'साइकिल' के साथ

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

एक तो उप्र की राजधानी लखनऊ, उस पर राजभवन के सामने... फिर भी एंबुलेंस के न पहुँचने की वजह से एक गर्भवती महिला को सड़क पर शिशु को जन्म देना पड़ा।

मुख्यमंत्री जी इस पर कुछ बोलना चाहेंगे या कहेंगे 'हमारी भाजपाई राजनीति के लिए बुलडोज़र ज़रूरी है, जनता के लिए एंबुलेंस नहीं।'

#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 13 Aug

इटावा लॉयन सफ़ारी में आख़िरकार शेरनी सोना के पाँचवें और अंतिम शावक को भी उप्र सरकार बचा न पाई। जबकि इसके लिए सपा ने उप्र सरकार को कई बार आगाह किया था।

इस मामले में भाजपा सरकार से मौन से अधिक कुछ भी अपेक्षा करना व्यर्थ है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ज़रूरत है हुनर तक पहुँचने की... उनकी कला को सराहने की... उनके उत्पाद को सही पारखी तक ले जाने की... मेहनत और कलात्मकता की सही क़ीमत दिलवाने की : तरक़्क़ी ख़ुद-ब-ख़ुद अपनी रफ़्तार पकड़ लेगी।

सपा आएगी, बदलाव लाएगी!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 03 Aug

कूनो नेशनल पार्क में 9वें चीते की मौत का ज़िम्मेदार कौन है? अब वो सब कहाँ हैं जो इस इवेंट को भाजपा-सरकार की शक्ति का प्रतीक मानकर प्रचार-प्रसार में जुटे थे। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि ख़राब हो रही है, क्योंकि जहाँ से ये चीते आये थे उन देशों में इनके मरने की चर्चा है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

लगता है यूपी विधानसभा में प्रतिबंध के लिए अब और कुछ नियम आयेंगे :

- टमाटर खाकर आना मना
- सांड पर बात नहीं
- जनहित व सौहार्द के मुद्दे उठाना मना
- स्मार्ट सिटी पर सवाल नहीं
- बेरोज़गारी व महंगाई शब्द का प्रयोग मना
- जातीय जनगणना की माँग

और

- PDA पर सांकेतिक भाषा में भी बात करना मना!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

वो होते हैं बेमिसाल, जिनके दिलों में है समाजवाद!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जो लोग आज़ादी के आंदोलन में स्वतंत्रता-सेनानियों की मुखबरी कर रहे थे, वो अब थोथे प्रवचन कर रहे हैं। अपने नाम में उपाधि लगा लेने से या चोगा धारण कर लेने से मूल-स्वरूप नहीं छुपता। राजनीति को बँटवारे के हथियार के रूप में इस्तेमाल करनेवाले विभाजनकारी अब अपने दिन गिनें।

#IndiaJeetega

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सच्ची स्वतंत्रता वहीं है जहाँ सामने सुनहरा भविष्य हो!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र में बीज ख़रीद में मनचाही कंपनी को काम देकर 60 करोड़ के घोटाले की ख़बर गोरखधंधे की बस ऊपरी परत है, बाकी परतें भी खुलेंगी। जो बीज में घपला करते हैं, वो क्या किसानों की आय दोगुनी करेंगे।

भाजपा सरकार में किसानों की आय नहीं 'हाय' दोगुनी हुई है, जो भाजपा के पतन का कारण बन रही है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

INDIA + PDA

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

अघोषित आपातकाल...

हर तरफ़ नई नई चुनौतियों का जाल है,
सावधान लेखनी कहाँ तेरा ख्याल है?

भूख क्रांति पर्व पर बजा रही थी तालियां
रोटियों की आस में सजाती थी दिवालियां
रोटियां मिलीं न तो कहेंगी ख़ाली थालियां
एक कारख़ाने की बदल गई दो पालियां

भेड़ियों के जिस्म हैं और बकरियों की खाल है।
आम आदमी के दर्द का किसे मलाल है?

इसमें शक नहीं गुलामी से समर किया गया
रक्त से स्वतंत्रता का पात्र भर दिया गया
किंतु फल न जाने किस दरार में समा गया
शोर भोर का मचा प्रकाश पर कहां गया

यह सुबह है या सुबह के छल का रश्मि जाल है ?
इस सवाल की ज़वाबदेही का सवाल है।

तब ज़ुबान कट गई थी बोलना हराम था
दिल में आग लग रही थी बेख़बर निज़ाम था
आज पेट कट रहा है आसमां पे दाम है
वो उनका इंतज़ाम था ये इनका इंतज़ाम है

कौन ये लुटेरे लोकतंत्र लूटते रहे ?
जाने कैसे न्याय की पकड़ से छूटते रहे
आम आदमी के सारे स्वप्न टूटते रहे
और बुद्धिजीवी अपना माथा कूटते रहे

आदमी का खून पीना आज भी हलाल है।
न उन पे कोई ढाल थी, न इनपे कोई ढाल है।

हर तरफ़ नई नई चुनौतियों का जाल है,
सावधान लेखनी कहां तेरा ख्याल है?

— उदय प्रताप सिंह

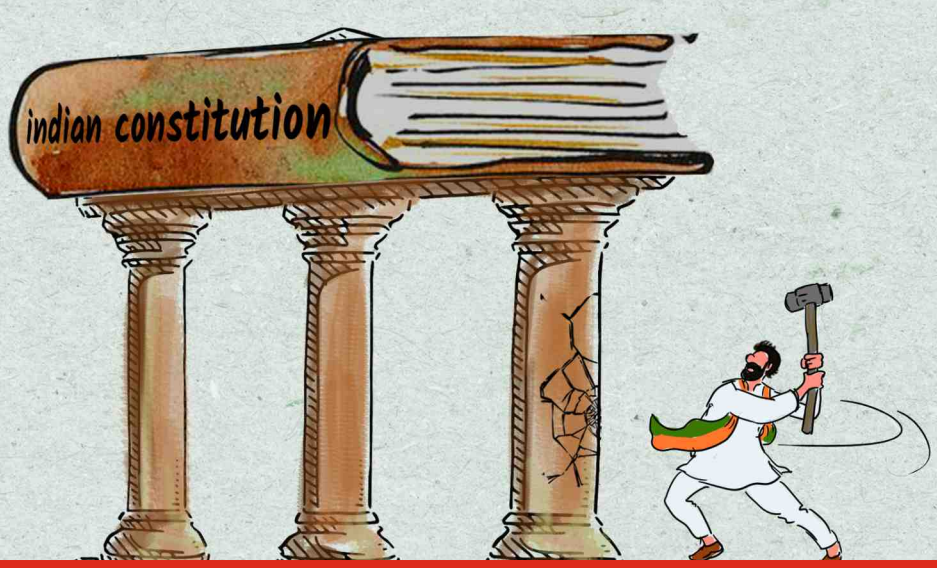

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in